संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 258
पृष्ठ 8
मंगलवार
10 जून 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- कोलेस्ट्रॉल बढ़ेगा नहीं और किडनी... | विचार- मीडिया की विश्वसनीयता पर... | खेल- सगाई के बाद जमकर थिरके रिंकू...

सुशासन से विभिन्न क्षेत्रों में आया बदलाव, प्रगति के साथ जीवन में सुगमता बढी : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि उनकी सरकार के 11 वर्ष के कार्यकाल में देश ने 140 करोड़ लोगों की सामूहिक भागीदारी से सुशासन के बल पर विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से बदलाव देखा है, जिससे तेजी से प्रगति हुई है और 'जीवन में सुगमता' आयी है। श्री मोदी ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के कार्यकाल के ग्यारह वर्ष पूरे होने पर सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा कि भारत न केवल सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बन गया है, बल्कि जलवायु परिवर्तन और डिजिटल नवाचार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर एक प्रमुख वैश्विक आवाज भी बन गया है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2014 में राजग सरकार के केन्द्र की सत्ता में आने के बाद श्री

मोदी ने पहली बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के 11 वर्ष पूरे होने के अवसर पर श्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा," सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास" के सिद्धांत से प्रेरित होकर राजग सरकार ने तेजी से और संवेदनशीलता के साथ युगांतकारी परिवर्तन किए हैं। श्री मोदी ने कहा है कि आर्थिक विकास से लेकर सामाजिक उत्थान तक, सरकार ने जन-केंद्रित, समावेशी और सर्वांगीण प्रगति को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि भारत आज न केवल सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है, बल्कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए कार्रवाई और डिजिटल नवाचार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर एक प्रमुख वैश्विक आवाज भी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश को अपनी सामूहिक सफलता पर गर्व है लेकिन इसके साथ ही, हम आशा व विश्वास के साथ विकसित भारत के निर्माण के लिए नए संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि पिछले 11 वर्षों में कई सकारात्मक बदलाव आए हैं और जीवन की सुगमता को बढ़ावा मिला है। श्री मोदी ने सरकार की उपलब्धियों को संवाद-शैली के माध्यम से प्रस्तुत करने वाली नमो ऐप के माध्यम से इस परिवर्तनकारी यात्रा के बारे में जानकारी जुटाने के लिए देशवासियों को प्रोत्साहित भी किया है। इस ऐप के जरिए इंटरैक्टिव गेम, क्विज़, सर्वेक्षण और अन्य प्रारूपों के माध्यम से प्रेरणादायी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। प्रधानमंत्री ने लोगों को नमो ऐप और आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध वीडियो, इन्फोग्राफिक्स और लेखों जैसे विभिन्न आकर्षक प्रारूपों के माध्यम से भारत की विकास यात्रा के बारे में जानकारी लेने के लिए भी आमंत्रित किया। श्री मोदी ने अपने पोस्ट में कहा, "सुशासन और परिवर्तन पर स्पष्ट ध्यान! 140 करोड़ भारतीयों के आशीर्वाद और सामूहिक भागीदारी के बल पर भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से परिवर्तन देखे हैं। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के सिद्धांत से प्रेरित होकर, एनडीए सरकार ने तेजी से और संवेदनशीलता के साथ युगांतकारी परिवर्तन किए हैं। आर्थिक विकास से लेकर सामाजिक उत्थान तक, जन-केंद्रित, समावेशी और सर्वांगीण प्रगति पर ध्यान केंद्रित किया गया है। हमें अपनी सामूहिक सफलता पर गर्व है, लेकिन साथ ही, हम एक विकसित भारत के निर्माण के लिए आशा, विश्वास और नए संकल्प के साथ आगे बढ़ते हैं!"

मोदी का 11 वर्ष का कार्यकाल अभूतपूर्व विकास का युग : राजनाथ

नयी दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्ष के कार्यकाल की सराहना करते हुए इसे 'अभूतपूर्व विकास' और 'युगांतरकारी राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन' का युग बताया है। श्री सिंह ने रक्षा क्षेत्र में भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण ने देश को दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में आत्मविश्वास के साथ खड़ा होने में सक्षम बनाया है। उन्होंने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा, " भारत आज अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की हर कीमत पर रक्षा करने के संकल्प पर पूरी तरह से सुसज्जित, आश्वस्त और अडिग है।" रक्षा मंत्री ने पिछले दशक के व्यापक प्रभाव का उल्लेख करते हुए कहा, " सेवा के ये 11 वर्ष हमारे स्वतंत्रता सेनानियों और संविधान निर्माताओं के सपनों को साकार करने की कहानी कह रहे हैं, जिन्होंने एक ऐसे लोकतंत्र की कल्पना की थी जो न केवल राजनीतिक हो, बल्कि सामाजिक और आर्थिक प्रकृति का भी हो।" उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री के गतिशील नेतृत्व में भारत न केवल प्रगति कर रहा है, बल्कि " राष्ट्रों के समुदाय में अपना उचित स्थान" प्राप्त करने के लिए आगे बढ़ रहा है। श्री सिंह ने इस परिवर्तनकारी यात्रा में योगदान देने वाले प्रत्येक नागरिक को भी बधाई दी और कहा, "हम एक साथ आगे बढ़ रहे हैं – मजबूत, गौरवान्वित और एकजुट।" मोदी सरकार की प्रमुख उपलब्धियों को गिनाते हुए रक्षा मंत्री ने उन पहलों की ओर इशारा किया जिन्होंने नागरिकों के लिए जीवन को आसान बनाने और उद्यमियों के लिए व्यापार सुगमता को बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण से लेकर किसानों के कल्याण तक, प्रशासन ने "समाज के हर वर्ग के उत्थान और मजबूती के लिए केंद्रित और प्रतिबद्ध प्रयास" के साथ काम किया है।

देवी-देवताओं की मूर्तियां बनाने के लिए हो सकेगा पीओपी का इस्तेमाल

बॉम्बे हाईकोर्ट ने वापस लिया रोक वाला फैसला

मुंबई, एजेंसी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को जनवरी में दिए अपने उस आदेश को वापस ले लिया, जिसके तहत उसने प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) से बनी गणपति की मूर्तियों के निर्माण और बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया था। मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे और न्यायमूर्ति संदीप मार्ने की पीठ ने अधिवक्ता अभिनंदन वैज्ञानिक के माध्यम से केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी)

द्वारा दायर हलफनामे पर गौर किया। पीठ ने अपने आदेश में कहा कि यह याचिकाकर्ताओं के साथ-साथ पीओपी की मूर्तियाँ बनाने वाले कारीगरों के लिए भी खुला रहेगा। हालांकि, अदालत की अनुमति के बिना इन्हें प्राकृतिक जल निकायों में विसर्जित नहीं किया जाएगा। पीठ ने महाराष्ट्र सरकार को अपना रुख स्पष्ट करने के लिए तीन सप्ताह का समय दिया और 30 जून को फिर से याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। महाराष्ट्र सरकार ने सीपीसीबी को पत्र लिखा, जिसके बाद इस मुद्दे पर विचार करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित की गई, जिसने कहा कि पीओपी मूर्तियों के निर्माण और बिक्री पर कोई प्रतिबंध नहीं है। हालांकि, उन्हें प्राकृतिक जल निकायों में विसर्जित नहीं किया जा सकता है। सीपीसीबी ने यह भी कहा कि पीओपी के संबंध में 2020 में उसके द्वारा जारी दिशा-निर्देश वैधानिक प्रकृति के नहीं थे, केवल अनुशंसात्मक थे।

सुकमा : आईईडी विस्फोट में एएसपी शहीद, कोंटा टीआई घायल

सुकमा, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सोमवार सुबह नक्सलियों ने आईईडी ब्लास्ट कर पुलिस अधिकारी की गाड़ी को उड़ा दिया है, जिसमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) आकाश राव गिरपुन्जे शहीद हो गए। वहीं एसडीओपी व टीआई समेत दो लोग घायल हो गये। पुलिस ने बताया, कोंटा-गोलापल्ली मार्ग पर नए कैंप की स्थापना कर पुलिस अधिकारी लौट रहे थे। इस दौरान नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी की चपेट में आने एएसपी गिरपुन्जे गंभीर रूप से घायल हो गये उन्हें कोंटा स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां इलाज के दौरान दम तोड़ दिए। अतिरिक्त एसपी आकाश क्षेत्र में पैदल गश्त ड्यूटी पर थे। ताकि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी-माओवादी (भाकपा-माओवादी) की ओर से 10 जून को भारत बंद के आह्वान के मद्देनज़र किसी भी प्रकार की नक्सली घटना को रोका जा सके। आईजी बस्तर पी सुंदरराज ने बताया कि कोंटा-एर्राबोरा मार्ग पर डोंड्रा के पास आईईडी विस्फोट की चपेट में आने से एएसपी कोंटा संभाग, जिला सुकमा,

आकाश राव गिरिपंजे गंभीर रूप से घायल हो गये थे और उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। विस्फोट में कुछ अन्य अधिकारी और जवान भी घायल हुए हैं। श्री सुंदरराज पी द्वारा जारी बयान में बताया कि 10 जून को नक्सलियों द्वारा भारत बंद के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश राव गिरीपुंजे, उप पुलिस अधीक्षक कोंटा भानुप्रताप चंद्राकर तथा निरीक्षक सोनल गवाला और अन्य जवानों के साथ कोंटा थाने क्षेत्र में गश्त पर पैदल निकले थे। जैसे ही कोंटो एर्राबोर मार्ग पर ग्राम डोंडरा के पास पहुंचे नक्सलियों द्वारा लगाए गए बारूदी सुरंग के चपेट में आने के कारण गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल अधिकारियों को कोंटा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया जहां उपचार के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश राव शहीद हो गए वहीं उप पुलिस अधीक्षक कोंटा भानुप्रताप चंद्रकार तथा निरीक्षक सोनल गवाला घायल हो गए प्राथमिक उपचार के बाद इन्हें बेहतर उपचार के लिए हेलिकाप्टर से रायपुर रवाना किया जा रहा है। इसके साथ ही शहीद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश राव गिरीपुंजे के पार्थिव शरीर को अंतिमसंस्कार एवं गार्ड आफ ऑनर के लिए रायपुर लाया जा रहा है। श्री सुंदरराज ने बताया कि श्री आकाश राव गिरपून्जे (42), रायपुर जिले के निवासी थे और 2013 बैच के सीधी भर्ती डीएसपी थे।

मोदी ने बदली राजनीतिक संस्कृति : नड्डा

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष जे पी नड्डा ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 11 वर्ष के कार्यकाल में अद्वितीय काम हुआ है और उन्होंने देश में राजनीतिक संस्कृति को बदला है। श्री नड्डा ने मोदी सरकार के 11 वर्ष पूरे होने के मौके पर यहां भाजपा मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इन वर्षोंमेंअकल्पनीय और अद्वीतीय काम हुआ है। श्री मोदी के नेतृत्ववाली सरकार ने 11 साल में राजनीतिक संस्कृति को बदलकर शासन का नया आयाम (न्यू-नार्मल) निर्धारित किया है। उनहोंने कहा कि यह सरकार निर्णय लेने में समर्थ और आर्थिक अनुशासन बनाने वाली सरकार है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि इससे पहले की सरकार तुष्टिकरण पर चलनेवाली और निराशाजनक वाली सरकार थी जबकि मोदी सरकार ने नकारात्मकता को खत्म कर सकारात्मकता माहौल बनाया और पारदर्शिता की नयी मिसाल पेश की। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने जनता की भागीदारी से भविष्य की नीतियां तैयार की और अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिये।

महाराष्ट्र के मुंब्रा स्टेशन पर लोकल ट्रेन से कई यात्रियों के गिरने से पांच की मौत, सात घायल

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के मुंब्रा रेलवे स्टेशन पर कसारा से आने वाली एक भीड़भाड़ वाली लोकल ट्रेन से गिरने से सोमवार को पांच लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। मुंब्रा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अनिल शिंदे ने यह जानकारी दी। श्री शिंदे ने कहा, "यह दुर्घटना सुबह करीब नौ बजे हुई और हमें सवा नौ बजे सूचना मिली और हम मौके पर पहुंचे तो पाया कि करीब सात लोग घायल हैं और कम से कम पांच लोगों की मौत हो चुकी है। घायलों और मृतकों को तुरंत नजदीकी छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल, कलवा ले जाया गया, जिनमें से चार घायल खुद जुपिटर अस्पताल चले गए।"

उन्होंने बताया कि प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि घटना के दौरान 10 से 12 यात्री ट्रेन से गिरे थे। अधिकारियों ने दुर्घटना का मुख्य कारण अत्यधिक भीड़ बताया है, कथित तौर पर उस समय कई यात्री ट्रेन के दरवाजों पर लटके हुए थे। घटना की सूचना मिलने के बाद रेलवे अधिकारी और पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पतालों में ले जाया गया। दुर्घटना की परिस्थितियों की जांच अभी चल रही है। इस दुर्घटना से प्रभावित मार्ग पर लोकल ट्रेन सेवाएं बाधित हो गयी हैं। शुरुआती रिपोर्टों से पता चलता है कि पांच लोगों की मौत हो गई है, हालांकि आधिकारिक पुष्टि अभी भी लंबित है। बचाव और जांच के प्रयास जारी रहने के कारण आगे के विवरण की प्रतीक्षा है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा, "दिवा और मुंब्रा स्टेशनों के बीच एक लोकल ट्रेन से कुल आठ यात्रियों के गिरने की घटना, जिसके परिणामस्वरूप कुछ लोगों की मौत हो गई, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। मैं मृतकों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं।

शाहजहांपुर में कार-ट्रक में टक्कर, तीन मरे ,तीन घायल

शाहजहांपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में शाहजहांपुर जिले के रोजा क्षेत्र में सोमवार सुबह ट्रक और कार की टक्कर में मासूम बच्चे समेत तीन लोगों की मौत हो गई जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गयेप् पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने सोमवार को बताया कि जमुका के पास लखनऊ दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक ट्रक खड़ा था कि लखनऊ की तरफ से आ रही कार सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गयी। इस हादसे में माधवन (02) , श्वेता (42) और शिवम् पांडेय (37) की मौत हो गई जबकि ड्राइवर अंगद यादव (24), शामली पाण्डेय और सिद्धू उर्फ शिवांश (5) गंभीर रूप से घायल हो गए।

पिछले 11 वर्ष आर्थिक पुनरुत्थान, सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्रीय सुरक्षा का नया युग : शाह

नयी दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केन्द्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के 11 वर्ष के कार्यकाल में देश ने आर्थिक पुनरुत्थान, सामाजिक न्याय, सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्रीय सुरक्षा का एक नया युग देखा है। श्री शाह ने राजग सरकार का 11 वर्ष का कार्यकाल पूरा होने के मौके पर सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा, " मोदी सरकार के ऐतिहासिक 11 वर्ष जनसेवा के संकल्प, साधना और समर्पण का स्वर्णिम कालखंड रहे हैं। ग्यारह वर्ष के कार्यकाल में देश ने आर्थिक पुनरुत्थान, सामाजिक न्याय, सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्रीय सुरक्षा का एक नया युग देखा है।

देश मे कोरोना संक्रमण के सक्रिय मामलों की संख्या 6491 तक पहुंची

नयी दिल्ली, एजेंसी। देशभर में कोराना संक्रमण के सक्रिय मामलों की संख्या सोमवार सुबह तक 6491 पहुंच गयी और राहत की बता यह है कि इसके संक्रमण से पिछले 24 घंटों के दौरान किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार आज सुबह आठ बजे तक 358 नए संक्रमण के मामले सामने आए, जिससे कोविड-19 के कुल मामलों की संख्या 6,491 हो गई। राहत की बात यह है कि पिछले 24 घंटों में कोरोना से संबंधित किसी अन्य मरीज की मौत नहीं हुई और मृतकों की संख्या 65 पर स्थिर है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार सबसे ज्यादा मामले केरल में दर्ज किए गए हैं। देश के दस राज्यों में कोरोना सक्रिय मामलों में वृद्धि हुई है। जिनमें से केरल, दिल्ली, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में भी मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। कोरोना संक्रमण के मामले में केरल सबसे अधिक प्रभावित राज्य बना हुआ है, जहां आज सुबह सक्रिय मामलों की संख्या 1957 तक पहुंच गई और दिल्ली में लगभग 42 नए मामले सामने आए, जिससे कुल मामलों की संख्या 728 हो गई। इसके अलावा गुजरात में 980, पश्चिम बंगाल में 747, महाराष्ट्र में 607, कर्नाटक में 423, तमिलनाडु में 219, उत्तर प्रदेश में 225, राजस्थान में 128, हरियाणा में 100, आंध्र प्रदेश में 85, पुडुचेरी में 11, सिक्किम में 31, मध्य प्रदेश में 43, झारखंड में चार, छत्तीसगढ में 41, बिहार में 50, त्रिपुरा में एक सक्रिय मामले हैं।

संविधान के हर पन्ने पर तानाशाही की स्याही रगड़ने में गंवाए

मोदी सरकार के 11 साल पर खड़गे का तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने सोमवार को कहा कि मोदी सरकार ने पिछले 11 वर्षों में देश के लोकतंत्र, अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने को गहरा झटका दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि सरकार ने इन 11 वर्षों में संविधान के हर पन्ने पर केवल तानाशाही की स्याही पोत दी है। खड़गे ने एक्स पर लिखा कि पिछले 11 वर्षों में मोदी सरकार ने भारतीय लोकतंत्र, अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने को गहरा आघात पहुँचाया है। खड़गे ने आरोप लगाया कि बीजेपी-आरएसएस ने हर संवैधानिक संस्था को कमज़ोर कर, उनकी स्वायत्तता पर कड़ा

प्रहार किया। चाहे वो जनमत चुराकर पिछले दरवाज़े से सरकारें गिराना हो या एक-दलीय तानाशाही शासन जबरन लागू करना हो। इस दौरान, राज्यों के हकों की अनदेखी हुई है और संघीय ढांचे कमज़ोर हुए। उन्होंने कहा कि समाज में नफ़रत, धमकी और डर का वातावरण फैलाने की कोशिश लगातार जारी है। दलित, आदिवासी, पिछड़े, अल्पसंख्यक व कमज़ोर वर्गों का शोषण लगातार बढ़ा है। इनके आरक्षण व बराबरी के अधिकार से वंचित रखने की साजिश जारी है। मणिपुर की ना थमने वाली हिंसा भाजपा की प्रशासनिक विफलता का सबसे बड़ा सबूत है। कांग्रेस अध्यक्ष ने लिखा कि बीजेपी-आरएसएस ने देश के जीडीपी विकास दर को 5-6प्रतिशत की आदत डाल दी, जो यूपीए के दौरान 8प्रतिशत औसतन हुआ करता था। सालाना 2 करोड़ नौकरियों का वादा के बजाय युवाओं से करोड़ों नौकरियाँ छीनी। महँगाई से जनता की बचत 50 सालों में सबसे कम और आर्थिक असमानता 100 सालों में सबसे अधिक कर दी।

नोटबंदी, गलत जीएसटी, अनियोजित लॉक-डाउन और असंगठित क्षेत्र पर हथौड़ा चलाकर करोड़ों का भविष्य बर्बाद किया। उन्होंने दावा किया कि मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया, डिजिटल इंडिया, नमामि गंगे, 100 स्मार्ट सिटीज सब फेल हुए। रेलवे का बंटाधार किया।

विकर जूनियर पब्लिक स्कूल में ग्रीष्मकालीन शिविर का समापन

प्रयागराज। छावनी परिषद की ओर से नई छावनी स्थित विकर जूनियर पब्लिक स्कूल में आयोजित ग्रीष्मकालीन शिविर का सोमवार को समापन हुआ। शिविर में भाग लेने वाले बच्चों ने फुटबॉल, क्रिकेट, नृत्य, संगीत, कम्प्यूटर, ग्लास पेंटिंग, सिलाई, मेंहदी आदि गतिविधियों ने हुनर दिखाया। शिविर के

समापन में स्काउट एंड गाइड के कैडेट्स ने अनुशासन और टीम वर्क का प्रदर्शन किया। कैंट विद्यालयों के समन्वयक एके सिन्हा ने बताया कि शिविर के समापन समारोह के मुख्य अतिथि छावनी परिषद के अध्यक्ष ब्रिगेडिर रोबी कपूर के समक्ष बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया। समापन समारोह में छावनी परिषद के नामित सदस्य विनोद कुमार बाल्मीकि और सभी विद्यालयों से प्रधानाचार्य मौजूद रहे।

केपी ट्रेनिंग कॉलेज में शुरू होगी स्नातक की पढ़ाई

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय से संबद्ध केपी ट्रेनिंग कॉलेज में भी स्नातक की पढ़ाई होगी। प्रथम चरण में बीए और बीकॉम में दाखिला लिया जाएगा। द्वितीय चरण में चार वर्षीय बीए–बीएड इंटीग्रेटेड (एकीकृत) कोर्स शुरू करने की तैयारी है। चार वर्षीय बीए–बीएड पाठ्यक्रम के संचालन की मंजूरी राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीईटी) से मिल गई है। केपी ट्रेनिंग कॉलेज में अभी बीएड तीनों वर्ग (कला, कॉमर्स और विज्ञान) की पढ़ाई होती है। प्राचार्य प्रो. अंजना श्रीवास्तव ने बताया कि स्नातक (बीए–बीकॉम) की कक्षाएं शुरू करने की तैयारी है। बीए और बीकॉम की 100–100 सीटों के सापेक्ष प्रवेश के लिए प्रस्ताव बनाकर इविवि को भेजा जा रहा है। इविवि के विद्वत परिषद और कार्य परिषद से मंजूरी मिलने के बाद दोनों पाठ्यक्रमों में दाखिला लिया जाएगा। इसके बाद चार वर्षीय बीए–बीएड एकीकृत कोर्स के संचालन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गया जेल

प्रयागराज। कौंधियारा पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के वांछित आरोपी को रविवार की देर शाम गिरफ्तार किया। आरोपी आशीष मिश्रा निवासी ग्राम बजबना देवरा थाना कौधियारा मुकदमा दर्ज होने के बाद से ही फरार चल रहा था। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर नौगवां टेल के पास पकड़ा। पुलिस के अनुसार एक परिवार की नाबालिग बेटी खेत में शौच करने के लिए अकेली गई थी। इसी दौरान आरोपी आशीष मिश्रा ने किशोरी के साथ जबरन दुष्कर्म किया और किसी को बताने पर जान से मारने तक की धमकी दी थी। पीड़िता के परिजनों की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ धारा 65(1)/351(2) बीएनएस व 3/4 पॉक्सो एक्ट के तहत नामजद मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया।

अवैध तमंचे के साथ तीन बदमाश गिरफ्तार

प्रयागराज। करेली थाने की पुलिस ने अवैध देशी तमंचा व तीन कारतूस के साथ तीन शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर रविवार की देर रात फरहान निवासी गौसनगर, लकी निवासी करेली व जैदी उर्फ जैद निवासी करेली को बक्शीमोढ़ा रेलवे अंडरपास के समीप घेरेबंदी कर पकड़ा। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने छोटी–मोटी चोरी व छिनैती की वारदात को अंजाम देते थे। पुलिस को आरोपियों से पूछताछ में कई वारदातों की जानकारी हुई है। थाना प्रभारी राजेश मौर्या ने बताया कि तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया। आरोपियों पर पहले से कोई मामला दर्ज नहीं था।

करोड़ों रुपये से विकसित मरीजों की सुविधाओं पर ताला

प्रयागराज। महाकुम्भ में स्वास्थ्य विभाग की ओर से शहर के अस्पतालों में कई सुविधाएं विकसित की गईं, लेकिन तीन माह बाद भी बेली और टीबी अस्पताल में मरीजों को इसका समुचित लाभ नहीं मिल पा रहा है। महाकुम्भ के तहत तेलियरगंज स्थित टीबी अस्पताल में लाखों की लागत से पांच प्राइवेट वार्ड और आधुनिक लॉन्ड्री का निर्माण किया गया था। लेकिन दोनों की शुरुआत अभी नहीं हुई है। लॉन्ड्री में अभी मशीनें नहीं मंगाई गई हैं। वहीं प्राइवेट वार्ड को संचालित करने की व्यवस्था पूरी नहीं हुई है। कर्मचारियों ने बताया कि टीबी मरीजों के बेड के चादरों को धुलने से संक्रमित होने का खतरा बना रहता है। इस क्रम में बेली अस्पताल में बनाए गए 30 बेड का रैन बसेरा अभी तीमारदारों के उपयोग में नहीं आ रहा है। रैन बसेरा में बाहर से ताला लगा है। लेकिन अंदर चौकियां लगी हैं और उस पर गद्दे, चादर बिछे हुए हैं। दोब्लड बैंक की बिल्डिंग का विस्तार हो गया है, लेकिन ब्लड सेपरेशन मशीन स्थापित नहीं की गई है।

स्मार्ट सिटी में ये कैसी व्यवस्था, लघुशंका के लिए भी लोगों से वसूला जा रहा शुल्क

प्रयागराज। शहर साफ सुथरा रहे और लोगों को जरूरत पर इधर उधर न भटकना पड़े इसके लिए सार्वजनिक शौचालय–मूत्रालय होने चाहिए लेकिन इनका संचालन किस प्रकार हो रहा है इसकी भी निगरानी जरूरी है। शहर के विभिन्न हिस्सों में बड़ी संख्या में सार्वजनिक शौचालय संचालित हो रहे हैं लेकिन स्नान, शौच आदि के लिए मनमाने तरीके से अलग–अलग जगह अलग–अलग शुल्क वसूला जा रहा है। गंभीर बात यह है कि स्मार्ट सिटी में इन सार्वजनिक सुविधाओं में लघुशंका के लिए भी शुल्क वसूला जा रहा है। बात अगर एमजी मार्ग की करें तो मेडिकल कॉलेज चौराहे से पत्थर गिरजाघर तक आधा दर्जन से अधिक सार्वजनिक शौचालय संचालित किए जा रहे हैं लेकिन इनकी दरों में एकरूपता नहीं है।

कहीं स्नान के लिए दस रुपये तो कहीं पंद्रह रुपये लिए जा रहे हैं। शौच के लिए भी कहीं पांच रुपये तो कहीं दस रुपये देने पड़ते हैं। सार्वजनिक शौचालयों में आम शहरियों को मूत्रालय की सुविधा के उपयोग के लिए भी पैसा देना पड़े तो लोग व्यवस्था पर सवाल उठाएंगे ही। शहर के कुछ स्थानों को छोड़ दिया जाए तो अधिकांश शौचालयों में मूत्रालय की सुविधा के लिए भी शुल्क वसूला जा रहा है। लोगों के पास दो ही विकल्प बचते हैं या तो शुल्क अदा करें या फिर दीवारों को गंदा करें। फुटकर का अभाव, शुल्क न देने की जिद जैसे तमाम कारणों से लोग इनका उपयोग न कर दीवारे गंदी कर रहे हैं जिससे शहर की सूरत बिगड़ रही हैं। लोगों का कहना है कि अगर मूत्रालय जैसी सुविधा के लिए भी शुल्क देना पड़े तो यह तो अंधेरगर्दी है।

लोगों ने बताया कि मेडिकल चौराहे से पत्थर गिरजाघर तक की दूरी में करीब आधा दर्जन सार्वजनिक शौचालय चल रहे हैं। मेडिकल चौराहे पर बना शौचायलय मात्र महिलाओं के लिए है। हनुमान मंदिर चौराहे पर शौचालय में शौच के लिए दस रुपये और लघुशंका के लिए दो रुपये शुल्क निर्धारित है जिसकी बकायदा बाहर शुल्क सूची भी लगी हुई है। सिविल लाइंस रोडवेज बस अड्डे पर मूत्रालय तो निशुल्क है लेकिन स्नान के लिए दस रुपये लिए जाते हैं जबकि बस अड्डे के बाहर बने शौचालय में लघुशंका के लिए भी शुल्क लिया जाता है। हालत यह है कि कहीं शौच के लिए दस रुपये तो कहीं पांच रुपये लिया जा रहा है। शौचालय पर लटका रहता है ताला कहने को तो इन सार्वजनिक शौचालयों के खुलने और बंद होने का समय निर्धारित है लेकिन इसका पालन नहीं होता। संचालक सुबह–शाम ही शौचायल खोलते हैं और दिन में ताला बंद कर चले जाते हैं। दिन में जब लोग जरूरत पर यहां पहुंचते हैं तो उन्हें ताला मिलता है। भरद्वाज आश्रम कॉरिडोर परिसर में तो सार्वजनिक शौचालय अरसे तक बंद रहा जिससे लोग परेशान रहे, शिकायतें भी की लेकिन इसका संचालन शुरू नहीं हो पाया जिससे बाहर से आए लोगों को परेशानी होती है। लोगों का कहना है कि शहर में चल रहे सार्वजनिक शौचालयों की निगरानी जरूरी है जिससे पता चले कि इनका संचालन किस प्रकार हो रहा है, कितना शुल्क वसूला जा रहा है और सुविधाएं कैसी हैं। मूत्रालय की व्यवस्था निरूशुल्क है अथवा नहीं। जिम्मेदार अगर इनकी बराबर निगरानी करें तो संचालकों की मनमानी पर रोक लग सकती है। अखरती है पिंक टॉयलेट की कमी शहर में महिलाओं की सुविधा के लिए पिंक टॉयलेट बेहद कम हैं, जिससे घर से बाहर निकली महिलाओं को परेशानी का सामना करना पड़ता है। बात अगर महात्मा गांधी मार्ग की करें तो सीएमपी डिग्री कॉलेज से पत्थर गिरजाघर के बीच मात्र एक पिंक टॉयलेट है। महिलाओं का कहना है कि जिस प्रकार मेडिकल चौराहे पर पिंक टॉयलेट बना है उसी प्रकार सभी मुख्य बाजार के आसपास एवं मुख्य मार्ग पर भी पिंक टॉयलेट बनाने चाहिए जिससे महिलाओं को सहूलियत हो। शिकायतें –सार्वजनिक शौचालयों में निरूशुल्क मूत्रालय की सुविधा नहीं है, शुल्क वसूला जा रहा। –स्नान, शौच आदि के शुल्क में एकरूपता नहीं हैं, हर जगह अलग–अलग शुल्क है। –शौचालयों के खुलने बंद होने के समय का पालन नहीं किया जा रहा है। कई जगह ताला लगा रहता है। –लगेज रूम के अभाव में लोगों को अपने सामान की सुरक्षा खुद करनी पड़ती है। समाधान – –सभी सार्वजनिक शौचालयों में मूत्रालय की निरूशुल्क सुविधा की जाए। –सभी जगह समान रूप से शुल्क लिया जाए और इसकी निगरानी हो। –शौचालयों के खुलने और बंद होने के समय का पालन हो। –लोग अपना सामान सुरक्षित रख सकें इसके लिए तालायुक्त लॉकर की व्यवस्था हो । ––हमारी भी सुनें–– जरूरत पर ही लोग यहां आते हैं, हनुमान मंदिर चौराहे के शौचालय में हमसे शौच के लिए दस रुपये शुल्क लिया गया। बस अड्डे के पास पांच रुपये लगते हैं। मजबूरी में जो मांगे देना पड़ता है। –राजू कहने को तो मूत्रालय की सुविधा निरूशुल्क है लेकिन संचालक इसका शुल्क वसूल रहे हैं। लोग दो रुपये फुटकर कहां से लाएं, फुटकर न होने पर बाहर जगह तलाशनी पड़ेगी। जिम्मेदारों को इस पर ध्यान देना होगा।–शिवलाल यादव हर जगह मूत्रालय निरूशुल्क रहती है फिर यहां क्यों शुल्क वसूला जा रहा है। जिम्मेदार आखिर कर क्या रहे हैं। यह बेहद गंभीर मुद्दा है, सभी शौचालयों में मूत्रालय निरूशुल्क हो तो लोगों को काफी सहूलियत होगी।–हरिओम शहर साफ सुथरा रहे और लोग दीवारें गंदी न करें इसके लिए जगह–जगह निरूशुल्क मूत्रालय बनाया जाना चाहिए। सभी सार्वजनिक शौचालयों में यह सुविधा निशुल्क होनी चाहिए ताकि लोगों को बाहर गंदगी न करें।–वशिष्ठ सार्वजनिक शौचालयों में लघुशंका के लिए पैसा लिया जा रहा है, जिम्मेदार इस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। इनके खुलने बंद होने का समय भी पता नहीं रहता, बिग बाजार के पास शौचालय दिन में बंद रहता है।–राकेश कुमार स्नान के लिए कहीं दस रुपये शुल्क है तो कहीं पन्द्रह रुपये लिए जा रहे हैं। अलग–अलग जगह शुल्क अलग क्यों है इसे बताने वाला कोई नहीं है। सभी जगह शुल्क समान होना चाहिए ताकि लोगों को सहूलियत हो।–अजय साहू सार्वजनिक शौचालयों की संख्या बढ़ाकर उनमें सुविधाएं मुहैया कराई जाएं तो लोगों को काफी राहत मिल सकेगी। शौचालय साफ रहने चाहिए और इनका शुल्क भी एक समान रहना चाहिए ताकि लोगों को परेशानी न हो।–संजय कुशवाहा यहां आने वाले लोगों को अपने सामान की सुरक्षा की चिंता बनी रहती है। लोगों के सामान सुरक्षित रहें इसके लिए अलमारी या लगेज केबिन की व्यवस्था की जानी चाहिए ताकि लोग निश्चिंत होकर अपनी दैनिक क्रिया कर सकें।–राजेन्द्र प्रसाद सुभाष चौराहे पर बिग बाजार के पास का शौचालय हमेशा बंद रहता है जिससे दिन में लोग इधर उधर परेशान होते हैं। शौचालय दिन में खुला रहे तो जरूरी काम से निकले लोग इसका उपयोग कर सकेंगे।–अक्षय मूत्रालय जैसी जरूरी नागरिक सुविधा सबको निशुल्क मुहैया कराना प्रशासन का काम है। अगर सार्वजनिक शौचालय संचालक इसका शुल्क वसूल रहे हैं तो यह गलत है। सभी जगह मूत्रालय की व्यवस्था निशुल्क होनी चाहिए।–मंसूर अहमद मूत्रालय की व्यवस्था निरूशुल्क हो तो लोगों को परेशान न होना पड़े। लघुशंका के लिए पैसा नहीं लिया जाना चाहिए। स्नान और शौच के लिए भी न्यूनतम शुल्क लिया जाना चाहिए तो ठीक रहेगा।–नागेश पांडेय सार्वजनिक शौचालयों पर शुल्क कम करना चाहिए ताकि लोगों को परेशान न होना पड़े। कहीं–कहीं स्नान के लिए पन्द्रह रुपये तक लिए जा रहे हैं, हर जगह अलग शुल्क क्यों है, जिम्मेदार इस पर ध्यान दें।–राकेश कुमार सभी चाहते हैं कि शहर स्वच्छ रहे, यदि मूत्रालय की व्यवस्था निरूशुल्क हो तो लोग इधर उधर गंदगी नहीं करेंगे। सार्वजनिक शौचालयों पर लघुशंका का शुल्क लेना सरासर गलत है। इस पर रोक लगनी चाहिए।–अनीस

अब छह महीने तक नहीं गूंजेगी शहनाई

प्रयागराज। ज्येष्ठ मास की पूर्णिमा 11 जून को मनाई जाएगी और इसी दिन शाम 6रू54 बजे गुरु ग्रह पश्चिम दिशा में अस्त हो जाएंगे। इसी के साथ शहनाई की गूंज नहीं सुनाई देगी। सूर्य के दक्षिणायन होने से चातुर्मास शुरू हो जाएगा और शादी–ब्याह जैसे मांगलिक कार्य छह माह के लिए नहीं होंगे। फिर 21 नवंबर से विवाह जैसे शुभ कार्य शुरू होंगे। स्वामी नरोत्तमानंद गिरि वेद विद्यालय, झूंसी के प्राचार्य ब्रज मोहन पांडेय ने बताया कि ज्योतिष सिद्धांत के अनुसार ग्रहों के राजा सूर्य माने गए हैं और मंत्री गुरु हैं। गुरु के साक्षी होने पर ही विवाह व अन्य मांगलिक कार्य होते हैं।

सूर्य के दक्षिणायन होने पर मांगलिक कार्य सहित सगाई, मुंडन, गृह प्रवेश व यज्ञोपवीत जैसे कार्य पर पूरी तरह से विराम लग जाएगा। आषाढ़ शुक्ल पक्ष की एकादशी छह जुलाई को देवशयनी एकादशी मनाई जाएगी। उत्थान ज्योतिष संस्थान के निदेशक पं. दिवाकर त्रिपाठी पूर्वांचली ने बताया कि एकादशी पर भगवान विष्णु शयन मुद्रा में चले जाएंगे और सूर्य दक्षिणायन हो जाएंगे। उसी के साथ चातुर्मास शुरू होगा। चातुर्मास में सावन, भाद्रपद, आश्विन व कार्तिक मास आएगा। फिर एक नवंबर को देवोत्थानी एकादशी पर भगवान विष्णु जागृत होंगे। इसके बाद मांगलिक कार्य शुरू होंगे, लेकिन विवाह के लग्न 21 नवंबर से शुरू हो रहे है, जो पंद्रह दिसंबर तक चलेंगे।

आईएएस सौम्या पांडेय को मिला सर्वश्रेष्ठ अधिकारी सम्मान

प्रयागराज। संगमनगरी की बेटी आईएएस सौम्या पांडेय को लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक एकेडमी मसूरी में सर्वश्रेष्ठ अधिकारी, सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति और सर्वश्रेष्ठ केस स्टडी के पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदान किया। मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) से बीटेक इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग से करने वाली सौम्या ने सिविल सेवा परीक्षा 2016 में पूरे देश में चौथा स्थान हासिल किया था। सौम्या ने बीटेक में भी गोल्ड मेडल हासिल किया था। उनकी मां डॉ. साधना पांडेय स्त्री रोग विशेषज्ञ हैं और अपना अस्पताल चलाती हैं। पिता डॉ. रवि पांडेय हरिश्वर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी (एचआईएमटी) के प्रबंधक हैं।

वेद छात्रों की पूरक परीक्षा 11 से 13 जून तक

प्रयागराज। महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान उज्जैन की ओर से शैक्षणिक सत्र 2024–25 के लिए 28 फरवरी से चार मार्च तक आयोजित परीक्षा का परिणाम तीन मई को घोषित हुआ था। जो इन परीक्षाओं में पूरी तरह या किसी विषय विशेष में फेल हैं उनके लिए 11 से 13 जून तक देशभर के 16 राज्यों के 23 केंद्रों पर पूरक परीक्षा कराई जाएगी। प्रयागराज में श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय झूंसी को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। केंद्र व्यवस्थापक ब्रजमोहन पांडेय ने बताया कि वेद भूषण प्रथम वर्ष (कक्षा 6) से वेद भूषण चतुर्थ वर्ष (कक्षा 9) एवं वेद विभूषण प्रथम वर्ष (कक्षा 11) की वेद एवं संस्कृत व आधुनिक विषयों की पूरक परीक्षा प्रयागराज केंद्र पर होगी जबकि वेद भूषण पंचम वर्ष (कक्षा दसवीं) एवं वेद विभूषण द्वितीय वर्ष (कक्षा बारह) की परीक्षा महर्षि सांदीपनी राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान उज्जैन केंद्र पर होगी। जो छात्र मार्च में हुई वेद शिक्षा बोर्ड की परीक्षा में उपस्थित हुए थे और किन्हीं कारणों से वे पास नहीं हो सके और उन्होंने तय समय सीमा के भीतर पूरक परीक्षा के लिए आवेदन किया है तो उन्हें पात्र माना जाएगा। पूरक परीक्षा मुख्य परीक्षा के समान पाठ्यक्रम पर आधारित होंगी।

10 करोड़ रुपये तक ड्रेनेज के काम करा सकेगा नगर निगम

प्रयागराज। नगर निगम को अब शहरों में बड़े नालों के निर्माण के लिए जल निगम के सीएंडडीएस पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। नगर निगम 10 करोड़ रुपये तक के नालों का निर्माण खुद करा सकेगा। उत्तर प्रदेश के नगर विकास विभाग ने नगर निगम के साथ नगर पंचायत और नगर पालिकाओं के नाला निर्माण की बजट सीमा में अप्रत्याशित वृद्धि की है। नगर निगम अब 10 करोड़ तक के ड्रेनेज का काम करा सकेगा। अभीतक नगर निगम 50 लाख तक के बजट में नालों का निर्माण कराता था। नाले का बजट 50 लाख से अधिक के काम जल निगम की इकाई सीएंडडीएस को दिया जाता था। प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात की ओर से जारी आदेश के बाद अब 10 करोड़ से अधिक का काम ही सीएंडडीएस को दिया जाएगा। नगर पंचायतें अभीतक पांच लाख तक के नाला निर्माण तक सीमित थीं। नए आदेश के तहत अब नगर पंचायतें एक करोड़ तक के नाले का निर्माण करा सकेंगी। एक करोड़ से अधिक का काम सीएंडडीएस को दिया जाएगा। नगर पालिकाओं को 25 लाख तक के नाले बनाने का अधिकार था। अब नगर पालिकाएं दो करोड़ तक के नाले बनवा सकेंगी। सीएंडडीएस (नगरीय) के परियोजना प्रबंधक रोहित कुमार अरोरा ने बताया कि नगर निगम, नगर पंचायत और नगर पालिकाओं के लिए ड्रेनेज निर्माण के बजट सीमा में संशोधन किया गया है। भविष्य के काम आदेश के अनुसार होंगे।

एसआरएन की पार्किंग में फेंक दिए गए पुराने गत्ते

प्रयागराज। एसआरएन अस्पताल परिसर में पार्किंग एरिया के पास बेड के पुराने गत्ते खुले में फेंक दिए गए हैं। इससे एक

तरफ जहां वार्ड के आसपास गंदगी फैल रही है वहीं अग्नि दुर्घटना को भी दावत दे रहा है। गत्तो में यदि एक भी चिंगारी लगी तो स्थिति भयावह हो सकती है। कर्मचारियों ने बताया कि गत्ते एक सप्ताह पहले वार्ड से निकालकर बाहर फेंके गए थे लेकिन सफाईकर्मियों ने अभी उसे नहीं हटाया है। अस्पताल में 2900 बेड चादर मंगाए गए थे जिससे बदलने के बाद पुराने गत्तों को बाहर कर दिया गया। लेकिन गत्तों को बाहर फेंकने के बजाय उसे समुचित तरीके से निष्तारण करना चाहिए।

गैस्ट्रोलॉजी और हृदय रोग विभाग पहुंचने में 40 गड्ढे दे रहे दर्द

प्रयागराज। हाईकोर्ट ने 22 मई को एसआरएन अस्पताल की दयनीय स्थिति को लेकर सख्त टिप्पणी की थी। उसके बाद से अस्पताल में कुछ बदलाव जरूर हुए लेकिन गैस्ट्रोलॉजी और हृदय रोग विभाग के मरीजों की समस्या पर ध्यान नहीं दिया। नतीजा यह है कि यदि दिल व पेट का कोई गंभीर मरीज ट्रामा सेंटर में पहुंचता है तो उसे इन दोनों विभागों तक स्ट्रेचर से पहुंचना मुश्किल हो जाता है। क्योंकि ट्रामा सेंटर से हृदय रोग और गैस्ट्रोलॉजी विभाग तक जाने वाले रास्ते में 40 से अधिक गड्ढे हैं। सड़क क्षतिग्रस्त है। महाकुम्भ में गैस्ट्रोलॉजी और हृदय रोग विभाग में मरीजों की सुविधा के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया था। लेकिन, बीच में कार्य अधूरा है। साथ ही दोनों विभाग में मूलभूल सुविधाओं की कमी से मरीज–तीमारदार भटकते रहते हैं। मरीजों का कहना है कि कभी डीएम साहब कभी गैस्ट्रोलॉजी और हृदय रोग विभाग का भी भ्रमण कर लें तो स्थिति सुधर जाए।

पूरी मानव सभ्यता का मार्ग दर्शन करती है-तत्व ज्ञानं पत्रिका

गोरखपुर। भारत विकास परिषद श्री हरि शाखा के तत्वावधान में आध्यात्मिक पत्रिका तत्व ज्ञानं प्रतियों का वितरण पिछले दिनों जिला कारागार की महिला बैरक में महिला कैदियों के बीच किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ समाज सेविका श्रीमती सुधा मोदी बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित थीं।जेल सुपरिंटेंडेंट डी. के. पांडे, जेलर कुशवाहा जी, श्री हरि शाखा के अध्यक्ष कनक हरि अग्रवाल, रम्या सुधा, श्रेया भलोटिया, अचिन्त्य लहिड़ी ने सर्वप्रथम

तत्वज्ञानं पत्रिका का विमोचन किया। तत्पश्चात उपस्थित सभी महिला कैदियों में पुस्तक का वितरण किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीमती सुधा मोदी ने श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ (पिठापुरम)के नौंवे पीठाधिपति सद्गुरु डॉ. उमर अली शाह के संपादन में प्रकाशित तत्व ज्ञानं पत्रिका का विमोचन करते हुए कहा कि यह पत्रिका सनातन धर्म विशेष के साथ ही पूरी मानव सभ्यता का मार्ग दर्शन करती है। उन्होंने आशा प्रकट की कि मुस्लिम समुदाय से होने के बावजूद भी कबीर, रसखान के परंपरा को आगे बढ़ाते हुए सद्गुरु डॉ. उमर अली शाह की यह पत्रिका समाज को नई दिशा प्रदान करेगी।

तत्व ज्ञानं पत्रिका की गोरखपुर की प्रचारक सुधा रम्या ने तत्व ज्ञान पत्रिका एवं गुरु जी द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी दी।कार्यक्रम के अन्त में जेल अधीक्षक, डी. के पाण्डेय ने सभी आगन्तुक महिला अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर डिप्टी जेलर विजय कुमार, महिला डिप्टी जेलर कृष्णाकुमारी, महिला हेड जेल वार्डर व महिला जेल वार्डर तथा अन्य कारागार कर्मी उपस्थित रहे।

स्वर्ण जयंती वर्ष में प्रति माह आयोजित किया जाएगा सम्मान समारोह
-दो अक्टूबर को श्री हनुमान पुस्तकालय गंधियांव करेगा पचासवें वर्ष में प्रवेश

प्रयागराज। यमुनापार प्रयागराज में अपने स्थापना काल से ही साहित्यिक सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों के लिए विख्यात श्री हनुमान पुस्तकालय गंधियांव करछना प्रयागराज आगामी दो अक्टूबर को उनचास वर्ष पूरा करके पचासवें वर्ष में प्रवेश करने जा रहा है द्य यह पुस्तकालय अपने स्थापना काल से ही क्षेत्र में विभिन्न साहित्यिक सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों के लिए विख्यात रहा है द्य पचासवें वर्ष को स्वर्ण जयंती वर्ष के रूप में मनाने के लिए पुस्तकालय समिति ने तैयारी शुरू कर दी है और अक्टूबर 2025 से सितम्बर 2026 तक प्रति माह विभिन्न स्थानों पर प्रतियोगिताओं एवं सम्मान समारोह के माध्यम से क्षेत्र की प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। उपरोक्त जानकारी पुस्तकालय के संस्थापक और व्यवस्थापक डा० भगवान प्रसाद उपाध्याय ने देते हुए बताया कि दो अक्टूबर 1976 को जय जवान जय किसान का नारा देने वाले पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी के जन्म दिन पर स्थापित श्री हनुमान पुस्तकालय गंधियांव करछना प्रयागराज अपने स्थापना काल से ही क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं और आयोजनों की श्रृंखला चलाकर विद्यार्थियों, खिलाड़ियों, समाज सेवियों, पत्रकारों कवियों व साहित्यकारों को सम्मानित करता रहा है।

असारवा-आगरा कैंट प्रतिदिन स्पेशल रेलसेवा के मार्ग के कुछ स्टेशनों पर संचालन समय में आंशिक परिवर्तन

प्रयागराज। रेलवे द्वारा परिचालनिक कारणों से असारवा–आगराकैंट प्रतिदिन स्पेशल रेलसेवा के मार्ग के कुछ स्टेशनों पर संचालन समय में आंशिक परिवर्तन किया जा रहा है। गाडी संख्या 01920, असारवा–आगराकैंट प्रतिदिन स्पेशल रेलसेवा दिनांक 12.06.25 से असारवा से 18.00 बजे के स्थान पर परिवर्तित समय 17.50 बजे रवाना होकर मार्ग के हिम्मतनगर, डूंगरपुर, जावर, उदयपुर सिटी एवं मावली स्टेशनों पर परिवर्तित समयानुसार संचालित होकर अपने निर्धारित समय से आगराकैंट स्टेशन पहुँचेगी।

यात्रियों की सुविधा हेतु रेल सेवाओं में डिब्बों की बढ़ोतरी
-जोधपुर-गांधीधाम-जोधपुर सुपरफास्ट रेलसेवा में बढ़ाये 06 डिब्बे

प्रयागराज। रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा को देखते हुए जोधपुर – गांधीधाम – जोधपुर सुपरफास्ट रेलसेवा में 06 डिब्बों की स्थाई बढोतरी की जा रही है। गाडी संख्या 22483/22484, जोधपुर–गांधीधाम–जोधपुर सुपरफास्ट रेलसेवा में जोधपुर से दिनांक 13.06.25 से एवं गांधीधाम से दिनांक 14.06.25 से 01 सैकण्ड एसी, 01 थर्ड एसी, 02 थर्ड ऐसी इकॉनोमी, 02 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बों की बढोतरी की जा रही है। इस बढोतरी के पश्चात् इस रेलसेवा में 02 सैकण्ड एसी, 03 थर्ड एसी, 02 थर्ड ऐसी इकॉनोमी, 07 द्वितीय शयनयान, 04 साधारण श्रेणी 01 पॉवरकार व 01 गार्ड डिब्बा सहित कुल 20 डिब्बे होगे।

पेड़ से लटका मिला बुजुर्ग का शव, परिजन बोले हत्या करके लटकाया गया

लखनऊ, संवाददाता। राजधानीलखनऊ के पीजीआई थाना क्षेत्र में बुजुर्ग का शव पेड़ पर फांसी के फंदे से लटका मिला। घटना गजवरीयन खेड़ा गांव के बाहर की है। मृतक की पहचान 62 वर्षीय रामदीन के रूप में हुई है। ग्रामीणों ने शव को फंदे पर लटका देखकर स्थानीय पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई शुरू कर दी है। मृतक के परिजनों का कहना है कि यह आत्महत्या का मामला नहीं है। उनका आरोप है कि किसी ने रामदीन की हत्या कर शव को फांसी के फंदे पर लटका दिया है। घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ जमा है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। पुलिस और फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्र किए हैं। परिवार में माया देवी और बेटा मिथुन है।

पेड़ पौधे हैं तो पर्यावरण है, पर्यावरण है तो हम हैं

प्रयागराज। भारत विकास परिषद प्रयाग शाखा की सामान्य सभा की बैठक होटल प्रयाग इन में संपन्न हुई, जिसमें 'पर्यावरण जागरूकता' तथा 'ऑपरेशन सिंदूर और भारतीय अस्मिता' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में 'पर्यावरण जागरूकता' बोलते हुए 'हरियाली गुरु' के नाम से प्रसिद्ध प्रोफेसर एन बी सिंह ने पर्यावरण के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पेड़ इस धरती पर ईश्वर के हस्ताक्षर है, वस्तुतः पेड़ ईश्वर स्वरूप हैं। पेड़ पौधे हैं तो पर्यावरण है। पर्यावरण है तो हम हैं। प्रो.सिंह ने कहा कि हम मनुष्यों ने ही पर्यावरण का सबसे ज्यादा नुकसान किया है। हमारे पूर्वजों ने जीव जंतु, वनस्पतियों, पेड़ पौधों को देवताओं एवं दैनिक जीवन से जोड़ा था। आज हम विकास की होड़ में अपने पर्यावरण को नष्ट कर रहे हैं, कीटनाशकों के प्रयोग से जीव, जंतुओं, वनस्पतियों और नदियों को दूषित कर रहे हैं। हम गंगा को माता कहते हैं, यदि गंगा को हम गंदा ना करें तो गंगा स्वयं स्वच्छ हो जाएंगी।

प्रोफेसर एन बी सिंह कहा कि प्लास्टिक हमारे जीवन और पर्यावरण में इतना घुस गया है कि आने वाली चार–पांच पीढ़ियां इसका दंश झेलेंगी। प्लास्टिक बोतल की लाइफ 400 वर्ष होती है। यह जल, वायु , जमीन तीनों को दूषित कर रहा है। हैं। पहले हमारे घरों में मम्मी चिप्स बनते थे आप बाजार में अंकल चिप्स बिकने लगे हैं अंकल चिप्स की पॉलिथीन की लाइफ 100 वर्षहै। प्रो.सिंह ने कहा कि हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाना होगा और जन जन को इसके लिए जागरूक करना होगा, साथ ही पर्यावरण को नुकसान पहुचने वाली गतिविधियों को नियंत्रित करना होगा. पूर्व अध्यक्ष प्रो उमेश प्रताप सिंह ने हरियाली गुरु का परिचय करते हुए बताया कि वे अब

तक एक लाख से अधिक पौधारोपण कर चुके हैं और 1.50 लाख से अधिक लकड़ी के गौरैया के घोंसले बांट चुके हैं। चाहे शादी हो या बर्थडे वे पौधा या गौरैया के घोंसले ही उपहार स्वरूप देते हैं। आप छायादार पौधा देने के बाद उसे रोपने और उसकी देखभाल का संकल्प भी दिलाते हैं.

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्क्वाड्रन लीडर श्री वी के मित्तल (सेवानिवृत्ति) ने भारत के सुरक्षा परिदृश्य एवं पर्यावरण के सन्दर्भ में 'ऑपरेशन सिंदूर और भारतीय अस्मिता' विषय पर बोलते हुए कहा कि भारत ने स्वतंत्रता के बाद आर्थिक अभावों के बीच रक्षा, तकनीकी एवं उपकरणों का विकास किया है। आज हम रक्षा तकनीकी के मामले में विश्व के किसी भी देश से पीछे नहीं है। स्क्वाड्रन लीडर ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के सशक्त प्रतिकार के साथ ही भारत सरकार द्वारा विश्व के देशों को वास्तव में यह दर्शाने व बताने के लिए था कि रक्षा और तकनीकी क्षेत्र में भारत किसी भी राष्ट्र से कमतर नहीं है? भारत क्या हैं, और हमारी क्षमताएं क्या हैं? भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से विश्व के देशों को यह बता दिया है कि भारत ड्रोन टेक्नोलॉजी, साइबर ऑप्टिक कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी , मिसाइल टेक्नोलॉजी, उपग्रह तकनीकी इत्यादि में विश्व के विकसित देशों से भी आगे है। श्री वी के मित्तल ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से पाकिस्तान स्थित रणनीतिक संपत्तियों और पाकिस्तान में शायद कुछ अन्य देशों की रणनीतिक संपत्तियों को अचूक निशाने से नष्ट कर दिया गया जिसे विश्व के देशों ने अचंभित होकर देखा। निश्चित ही आज यह तथ्य है, सत्य है कि भारत तकनीकी विकास, सुरक्षा उपकरण इत्यादि में सुपर पावर बन चुका है।

भारत विकास परिषद् प्रयाग शाखा के अध्यक्ष राज नारायण अग्रवाल ने मुख्य और विशिष्ट अतिथि सहित सभागार उपस्थित सभी लोगों का स्वागत . कार्यक्रम का सञ्चालन सचिव प्रो सुनिलकान्त मिश्र तथा धन्यवाद ज्ञापन डा पुरुषोत्तम ने किया.अतिथि परिचय प्रो विवेक भदौरिया और प्रो उमेश प्रताप सिंह ने किया. शाखा के अध्यक्षश्री राज नारायण और सी ए डा नवीनचंद्र अग्रवाल ने मुख्य अतिथि और राजीव अग्रवाल और दिनेश जौहरी ने विशिष्ट अतिथि को अंगवस्त्रम और प्रतिक चिन्ह देकर सम्मानित किया. कार्यक्रम में ज्ञानेंद्र खरे, शिवनंदन गुप्ता, एडवोकेट आर पी अग्रवाल एवं अरुण त्रिपाठी, प्रो पूनम मित्तल, अशोक मित्तल,राजीव अग्रवाल, गगन मोहन, सतेंद्र कुमार सहित शहर के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

उत्तर मध्य रेलवे भारत स्काउट एवं गाइड के समर कैंप का समापन समारोह आयोजित

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे भारत स्काउट एवं गाइड, प्रयागराज यूनिट एवं सूबेदारगंज यूनिट द्वारा दिनांक 25.05.2025 से जिला स्काउट हट प्रयागराज एवं राज्य प्रशिक्षण केन्द्र सूबेदारगंज में समर कैम्प आयोजित किया गया। इस कैंप का समापन समारोह राज्य प्रशिक्षण केन्द्र सूबेदारगंज में दोनों यूनिटों के सदस्यों द्वारा संयुक्त रुप से आयोजित किया गया। समापन समारोह का शुभारम्भ मुख्य अतिथि के रुप में श्रीमती चेतना जोशी, अध्यक्षा उत्तर मध्य रेलवे कल्याण संगठन द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। इस अवसर समर कैम्प के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति की गई। इस दौरान बच्चों द्वारा मेंहदी, क्ले आर्ट, लिप्पन कला, कलमकारी, तबला इत्यादि की प्रस्तुति ने मुख्य अतिथि श्रीमती चेतना जोशी एवं उपस्थित जनसमूह को अत्यन्त मंत्रमुग्ध कर दिया। इस कार्यक्रम में मानसी, मीनाक्षी द्वारा समर कैम्प में सिखाई गई कविता का पाठ भी किया गया।

दोनों यूनिटों के प्रशिक्षकों द्वारा इस अवसर पर 15 दिनों में बच्चों को जो भी सिखाया गया उसकी प्रस्तुति– सजीव प्रदर्शन, प्रदर्शनी एवं पावर प्वाइंट प्रस्तुतिकरण के माध्यम से किया गया। समापन समारोह का आयोजन श्रीमती आयुषी भटनागर, उपाध्यक्ष/भारत स्काउट एवं गाइड/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज के नेतृत्व में किया गया।

इनके साथ में श्री हिमांशु बडोनी, राज्य मुख्य आयुक्त एवं वरिष्ठ उप महाप्रबंधक/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज, श्री अखिल शुक्ला, सचिव महाप्रबंधक/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज, श्री नितिन, सहायक कार्मिक अधिकारी एवं सहायक राज्य सचिव भारत स्काउट एवं गाइड भी उपस्थित रहे थे।

समर कैम्प में सूबेदारगंज यूनिट के कुल 120 बच्चे एवं प्रयागराज यूनिट के 80 बच्चे कुल मिलाकर 200 बच्चों ने समर कैम्प में प्रतिभाग किया। उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु श्री हिमांशु बडोनी द्वारा प्रयागराज यूनिट को पचास हजार एवं सूबेदारगंज यूनिट को पचास हजार कुल एक लाख नकद पुरस्कार की घोषणा की गई।

इस अवसर पर प्रयागराज यूनिट से श्री नितिन, सहायक कार्मिक अधिकारी/प्रयागराज एवं सहायक जिला आयुक्त, मुख्यालय से श्री रवि कांत शर्मा, राज्य संगठन आयुक्त/स्काउट, सुश्री मन्जू जोशी, राज्य संगठन आयुक्त/गाइड, एवं मुख्यालय तथा मंडल के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सूबेदारगंज यूनिट के यूनिट लीडर, ग्रुप लीडर, स्काउट–गाइड एवं रोवर–रेंजर को सम्मिलित कर कुल 250 सदस्यों ने बढ़–चढ़ कर समापन समारोह में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

वीवीएस राष्ट्रीय राजनीतिक संगठन की बैठक संपन्न

लखनऊ। वीवीएस राष्ट्रीय राजनीतिक संगठन की एक बैठक राज्य अतिथि ग्रह मीराबाई मार्ग लखनऊ में न्यायमूर्ति श्री योगेश चंद्र गुप्ता की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का संचालन राष्ट्रीय संयोजक अनिल वार्ष्णेय गुरुग्राम ने किया। इस बैठक में वार्ष्णेय समाज के महानुभावों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य वार्ष्णेय समाज को संगठित करने पर जोर दिया गया है।। इस बैठक में वार्ष्णेय समाज के लोगो ने अपने अपने विचारों के माध्यम से समाज को एकत्रित करने पर विचार विमर्श किया। वही संगठन के राष्ट्रीय संयोजक अनिल वार्ष्णेय ने वार्ष्णेय समाज को एक जुट करने पर जोर दिया और कहा कि कोई भी राष्ट्र समाज से बनता है, और समाज लोगों से ,जिस समाज के लोग एकजुट होंगे तो न समाज कमजोर होगा और न राष्ट्र।

अतः राष्ट्र निर्माण में वार्ष्णेय समाज की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। वही राजनीतिक संगठन का विस्तार करते हुए कमल कुमार जी को लखनऊ का प्रभारी नियुक्त किया गया , वही साथ साथ पीयूष गुप्ता को हैदराबाद का प्रभारी , योगेश गुप्ता को मुंबई से संगठन मंत्री ,राजेश वार्ष्णेय को मथुरा का सयोंजक,हाथरस जिले का संगठन मंत्री स्वेत वार्ष्णेय एवं नगेन्द्र गुप्ता को ग्वालियर का प्रभारी नियुक्त किया है। बैठक में न्यायमूर्ति योगेश चंद्र गुप्ता (सेवनिर्वित इलाहाबाद हाईकोर्ट), अनिल वार्ष्णेय राष्ट्रीय संयोजक वीवीएस, वरिष्ठ पत्रकार अशोक कुमार नवरत्न, कमल कुमार, गोविंद लाल गुप्ता, हर्ष गुप्ता ,नितिन वार्ष्णेय, क .च. गुप्ता, सुशील वार्ष्णेय ,साधना गुप्ता, सी .के .वार्ष्णेय, बांके विहारी वार्ष्णेय (गुड़गांव), शुभम गुप्ता आदि वार्ष्णेय समाज के लोग मौजूद रहे।

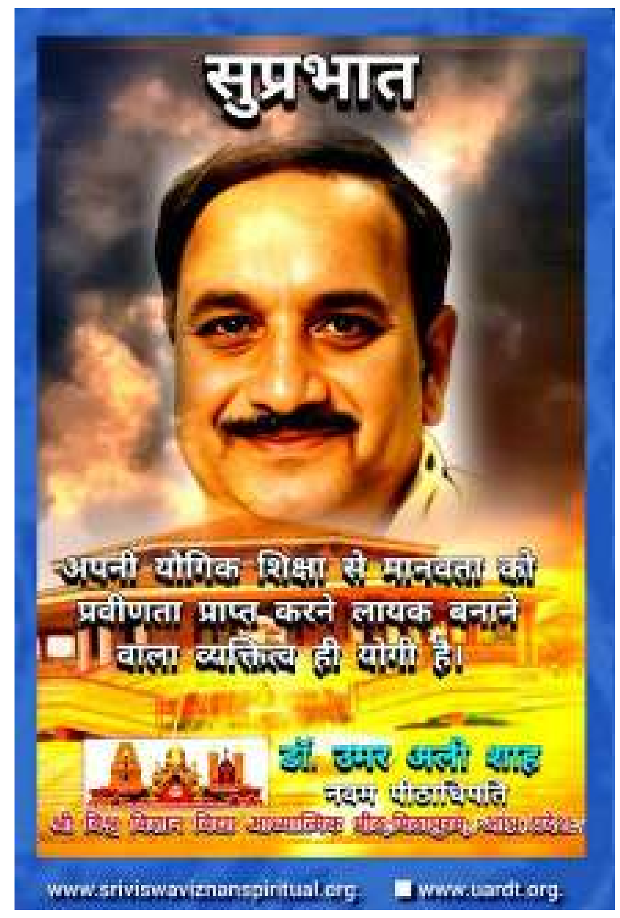

आम है नाम दशहरी
(कुण्डलिया)

गाँव दशहरी ने दिया, जिसे दशहरी नाम।
वही आम से खास बन, बना दशहरी आम।
बना दशहरी आम, मलीहाबादी वाला।
अदा नबाबी और,स्वाद है बहुत निराला।
सुन लो कहें प्रदीप, खा रहे इसको शहरी।
मीठा गूदेदार,आम है नाम दशहरी।।

ग्राहक घबराते नहीं, सुनकर जिसका दाम।
बाजारों में छा गए, मधुर दशहरी आम।
मधुर दशहरी आम,गुठलियाँ जिनकी पतली।
लखनउवा अन्दाज,कहे हम ही हैं असली।
सुन लो कहें प्रदीप, दोष मत देना नाहक।
खोलो अपनी आँख, देख लो इसके ग्राहक।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

दिव्यांगों ने कलेक्ट्रेट का घेराव किया, पुलिस पर बर्बरता का लगाया आरोप

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में दिव्यांगों ने जिलाधिकारी कार्यालय का घेराव करके नारेबाजी की। दिव्यांग महागठबंधन उत्तर प्रदेश और कांग्रेस निशक्तजन विकलांग प्रकोष्ठ से जुड़े दिव्यांग विरोध में शामिल हुए। विभिन्न मांगों को लेकर दिव्यांगों ने नारेबाजी करते हुए हंगामा किया। दिव्यांग महागठबंधन के कोषाध्यक्ष जितेंद्र कुमार वर्मा ने कहा कि हम लोगों को विकलांग से दिव्यांग शब्द तो दे दिया गया मगर इससे हमारे जीवन में कोई बदलाव नहीं किया। दिव्यांग जितेंद्र कुमार ने कहा कि पूरे प्रदेश

में दिव्यांग जनों का उत्पीड़न बढ़ता जा रहा है। शारीरिक रूप से दिव्यांग लोगों के ऊपर अत्याचार बेहद अफसोसजनक और शर्मनाक है। विकलांग एक्ट 2016 का लगातार उल्लंघन किया जा रहा है। कन्नौज, लखीमपुर, कानपुर और लखनऊ में दिव्यांगों के साथ मानवता को शर्मसार करने वाली घटनाएं हुईं, जिसका पुलिस ने कोई संज्ञान नहीं लिया। आपराधिक घटनाओं में पुलिस के द्वारा दिव्यांगों को ही परेशान किया जा रहा है और नियमों को ताक पर रखकर कार्रवाई की जा रही है।जितेंद्र कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री को संबोधित करते हुए डीएम के माध्यम से ज्ञापन भेजा गया है। विकलांग एक्ट को पूरी तरीके से लागूकरने की मांग है। इसके साथ ही सभी थानों में विकलांगों की सहायता के लिए बोर्ड लगाया जाए। जल्द ही डीजीपी से मुलाकात करके सुरक्षा की मांग करेंगे, अगर मांगें नहीं पूरी हुई तो पूरे प्रदेश में दिव्यांग विरोध प्रदर्शन और धरना करेंगे। प्रदर्शन में शामिल कांग्रेस विकलांग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मनीष ने कहा कि हम 80: दिव्यांग हैं। मगर उसके बाद भी हमारे साथ न्याय नहीं हो रहा है। बीते दिनों कुछ अपराधियों के द्वारा ऊपर हमला किया गया। यह हमला उन लोगों ने किया जो मंदिर के आसपास गांजा और नशे का अवैध कारोबार करते थे। इसका विरोध करने पर अब मारपीट की। जान से मारने का प्रयास किया। इसके बाद कई बार आलमबाग थाने में फिर दर्ज करने की मांग की, मगर कोई सुनाई नहीं हो रही है। न्याय नहीं हुआ तो जल्द ही महाआंदोलन किया जाएगा।

राजधानी में कोरोना के 11 मरीज, 24 घंटे में महिला समेत 3 लोग पॉजिटिव आए

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ समेत यूपी के कई जिलों में कोरोना संक्रमितों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। राजधानी में 24 घंटे में एक बुजुर्ग महिला समेत 3 नए कोरोना के मामले सामने आए हैं। इनमें से किसी भी मरीज की ट्रैवल हिस्ट्री न होने की की बात कही जा रही। फिलहाल सभी का होम आइसोलेशन में इलाज चल रहा। सीएमओ कार्यालय से जारी रिपोर्ट के मुताबिक, नए मरीजों में सदर बाजार इलाके की 61 साल की बुजुर्ग महिला, गोमती नगर विस्तार की 22 साल की युवती और गोमती नगर विश्वास खंड निवासी 49 साल की महिला शामिल है। तीनों संक्रमितों की कोई ट्रैवल हिस्ट्री नहीं है। इन सभी को सांस लेने में तकलीफ, खांसी जुकाम और बुखार होने पर परिवारजनों ने निजी केंद्रों पर जांच करवाई थी।

सम्पादकीय........

अर्थव्यवस्था को धार देगी रेपो दरों में कमी

वैश्विक स्तर पर चल रही आर्थिक उथल पुथल के बीच पिछले कुछ समय से देश में अर्थव्यवस्था के लिहाज से सकारात्मक खबरें और अब भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआइ की ओर से नीतिगत दरों में कमी से यही संकेत उभरता है कि महंगाई कुछ नियंत्रण में है। ऐसे में आर्थिक मोर्चे पर खड़ी चुनौतियों से निपटने में काफी हद तक देश आगे बढ़ा है। आरबीआइ ने एक बार फिर 6 जून को प्रमुख नीतिगत दर यानी रेपो दर में 0.5 फीसद की कमी करके उसे 5.5 फीसद कर दिया। जो उम्मीद से ज्यादा है। इसके अलावा एक चौंकाने वाले फैसले के तहत आरबीआइ ने बैंकों के लिए भी नकद आरक्षित अनुपात यानी सीआरआर में भी एक फीसद की कटौती की घोषणा लगातार तीसरी बार की है। इससे पहले आरबीआइ ने इसी वर्ष फरवरी और अप्रैल में पच्चीस आधार अंकों की कटौती की थी। जाहिर है, यह न केवल देश के भीतर आर्थिक उतार–चढ़ाव से निपटने की कोशिश है, बल्कि दुनिया भर में जो चुनौतियां खड़ी हो रही हैं, उसमें निपटने और अर्थव्यवस्था को संभालने में भी मदद मिलेगी। यही नही आरबीआई की घोषणा के चंद घन्टों बाद ही बैंकिंग सेक्टर में लोन और फिक्स्ड डिपॉजिट के ब्याज दरों में कमी होने वाली है। देश के दो बड़े बैंकों ने लोन के इंटरेस्ट रेट में बदलाव किया है। पब्लिक सेक्टर के पंजाब नेशनल बैंक ने रेपो लेंडिंग रेट (आरएलएलआर) में 50 बीपीएस की कटौती की है। नई दरें 9 जून से प्रभावी होंगी। वहीं देश के सबसे बड़े प्राइवेट सेक्टर बैंक "एचडीएफसी बैंक" ने एमसीएलआर दरों में 10 बीपीएस यानि 0.10: की कमी है। दरों में कटौती का असर ईएमआई पर पड़ेगा। उधारकर्ताओं को राहत मिलेगी। होम लोन, कार लोन, पर्सनल लोन और ऋण पर नए रेट प्रभावी होंगे। भारतीय स्टेट बैंक के ग्रुप चीफ इकोनॉमिक एडवाइजर सौम्य कांति घोष और पिरामल एंटरप्राइजेज के चीफ इकोनॉमिस्ट देबोपम चौधरी ने एक ऐसी भविष्यवाणी की थी, जिसकी शायद ही किसी और ने अनुमान लगाया हो। उन्होंने जून में भारतीय रिजर्व बैंक (त्ठप्) की मौद्रिक नीति समिति की बैठक में ब्याज दरों में बड़ी कटौती का अनुमान लगाया था। और हुआ भी ऐसा ही। रिजर्व बैंक ने ब्याज दरों में 50 बीपीएस की कटौती की दी। अब इन दोनों अर्थशास्त्रियों ने फिर से भविष्यवाणी की है। इन दोनों का मानना है कि रिजर्व बैंक फिर से ब्याज दरों में कटौती करेगा। आम बोलचाल के रूप में रेपो दरों में कमी को मुख्य रूप से ऋण के लिहाज से सुविधाजनक माना जाता रहा है। कर्ज सस्ता या महंगा होने का हिसाब इसी पर टिका होता है और इसका सीधा और पहला असर उन उपभोक्ताओं पर पड़ता है, जिन्होंने घर, वाहन, अन्य सामान या फिर शिक्षा जैसी जरूरतों के लिए बैंकों से ऋण लिया होता है या फिर वे लोग, जो इस बात का इंतजार करते हैं कि रिजर्व बैंक की ओर से कब नीतिगत दरों में कमी की जाए और कर्ज सस्ता होने के बाद वे कुछ खरीदने या निवेश करने की योजना बनाएं। वैसे तो रिजर्व बैंक की नीतिगत दरों के अनुरूप ही व्यावसायिक बैंक उपभोक्ताओं को दिए जाने वाले ऋण और अन्य सावधि जमा के मद में ब्याज की दरें निर्धारित करते हैं। रेपों दरों के घटने बाद यह अनुमान लगाया जा रहा है कि पिछले कुछ समय से वाहन बाजार और खासतौर पर जमीन–जायदाद के कारोबार में जिस तरह की मंदी की आशंका जताई जा रही थी, नीतिगत दरों में कटौती के बाद उसमें सुधार होगा। इस लिहाज से देखें तो रिजर्व बैंक की ओर से नीतिगत दरों में बड़ी कमी की जो घोषणा की है, वह एक तरह से अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने की दिशा में एक अहम कदम है। लेकिन इस तरह के फैसले सिर्फ घोषणाओं और अर्थव्यवस्था के जटिल गणित तक ही न सिमटे रहें। इसका असर जब तक जमीन पर नहीं दिखेगा, आम लोगों को इसका सीधा फायदा नहीं मिलेगा, वे अपनी जरूरत के लिए घर या कोई अन्य चीज की खरीदारी को लेकर सहज और निर्दव्द्व नहीं होंगे, तब तक इस तरह के फैसले अर्थव्यवस्था की चुनौतियों को दूर करने में सहायक साबित नहीं हो सकते। महंगाई से राहत और क्रय शक्ति की सीमा में खरीदारी में सहजता से यह तय होगा कि रेपो दरों में कमी का लाभ आम लोगों तक कितना पहुंच पाता है। ऋण लेने का उत्साह उसे चुकाने की स्थितियों पर टिका रह सकता है। इसलिए रोजगार और आय के अन्य माध्यमों की बुनियाद मजबूत करने की स्थिति पैदा करनी होगी, ताकि लोग अपने निवेश और अन्य आर्थिक फैसलों को लेकर सुरक्षित महसूस करें।भारतीय रिजर्व बैंक ने आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए रेपो दरों में 0.5: की कटौती की है, जो विशेषज्ञों के अनुमान से अधिक है।

मीडिया की विश्वसनीयता पर उठते सवाल

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

आकाशवाणी और दूरदर्शन का यह स्वर्णकाल इस मायने में कहा जा सकता है कि सरकारी नियंत्रण में होने के बावजूद आमआदमी तो क्या पक्ष और विपक्ष के नेतागण भी समाचारों की विश्वसनीयता पर प्रश्न नहीं उठा पाते थे।

मीडिया की विश्वसनीयता पर उठते सवालों के बीच आकाशवाणी और बाद में दूरदर्शन के शुरुआती वे दिन बरवस याद आ जाते हैं जब आकाशवाणी के नेशनल और प्रादेशिक समाचारों के प्रति आमजन के विश्वास को इसी से समझा जा सकता है कि चौराहों की चाय–पान की दुकानों पर खड़े होकर भी समाचार सुनने में किसीको कोई संकोच ना होकर गर्व महसूस होता था। आकाशवाणी के नेशनल समाचारों की बात हो तो सुबह 8 बजे और रातः पौने नो बजे के समाचार बुलेटिनों की बेसब्री से प्रतीक्षा होती थी तो प्रातःकालीन प्रादेशिक समाचार के साथ ही खासतौर से सायंकालीन सात बजे के प्रादेशिक समाचार को कोई भी प्रदेषवासी मिस नहीं करना चाहता था। आकाशवाणी और दूरदर्शन का यह स्वर्णकाल इस मायने में कहा जा सकता है कि सरकारी नियंत्रण में होने के बावजूद आमआदमी तो क्या पक्ष और विपक्ष के नेतागण भी समाचारों की विश्वसनीयता पर प्रष्न नहीं उठा पाते थे। होता तो यहां तक था कि आकाशवाणी के कार्यक्रमों से लोग अपनी घड़ियों को मिलाया करते थे। विश्वसनीयता का यह कोई आसान काम नहीं था पर उस समय के दिग्गज मीडियाकर्मियों ने अपनी मेहनत, लगन और निष्पक्षता से सींचने का काम किया और उसका परिणाम यह रहा कि उस समय के मीडिया दिग्गजों को समूचे समाज में चाहे वह राजनीतिक स्तर हो, ब्यूरोक्रेटिक स्तर हो या फिर आमजन सभी जगह सम्मान से देखा जाता था। यदि प्रादेशिक स्तर की बात की जाए तो आकाशवाणी जयपुर अजमेर के समाचार संपादक और बादमें दूरदर्शन जयपुर केन्द्र के समाचार एकांश के निदेशक मोहनराज सिंघवी जिन्हे मीडिया जगत में एमआर सिंघवी के नाम से जाना जाता रहा है की मेहनत, निष्पक्षता और मीडिया की स्वतंत्रता की पक्षधरता का ही परिणाम रहा कि मीडिया जगत में एमआर सिंघवी एक ब्राण्ड के नाम से पहचान बनाने में कामयाब रहे। पक्ष–विपक्ष के सभी नेता, समाज के सभी वर्गों के प्रतिनिधियों सहित आमजन में जिस तरह की छवि एमआर सिंघवी की बनी वह आजके मीडिया कर्मियों के लिए ईर्च्छा का कारण बन सकती है तो प्रेरणास्पद भी है। बात में इतना दम की क्या तो मुख्यमंत्री से लेकर मंत्रीमण्डल के सदस्यगण और क्या ब्यूरोक्रेसी के कर्ताधर्ता एमआर सिंघवी की बात को कमतर समझने की भूल भी नहीं कर सकते थे।यह आज के समय में अविश्वसनीय कल्पना ही हो सकती है कि 90 के दशक में एमआर सिंघवी के आकाशवाणी जयपुर पिंकसिटी पेट्रोलपंप के पास स्थित आवास पर मिलनेवाले जरुरतमंद लोगों का जमावड़ा इस तरह से लगा रहता था जैसे किसी राजनेता के निवास पर लगा होता था। पीड़ित व्यक्ति के लिए एमआर सिंघवी एक सहारा रहे हैं। इसका कारण भी यह रहा कि यदि काम जायज है और हितकारक है तो सिंघवी जी आने वाले व्यक्ति के सामने ही संबंधित मंत्री से लेकर अधिकारी को फोन करने में किसी तरह का संकोच नहीं करते थे और आने वाले व्यक्ति की आंखें एहसान से बोझिल हो जाती तो काम भी आसानी से हो जाता था। खासबात यह कि बिना जानपहचान भी कोई अपने दुखदर्द को लेकर पहुंच जाता था तो सहयोग करने में कोई कोरकसर नहीं छोड़ते। मैं स्वयं इसका उदाहरण हूं। किसी दिन आकाशवाणी के अनुबंध पर समाचार अनुभाग के लिए लिखित परीक्षा हुई और एक दिन एकाएक घर पर आकाशवाणी से अनुबंध का पत्र आ गया। डिप्लोमा भले ही पत्रकारिता में कर लिया हो पर अनुभव के मामलें में शून्य होने के बावजूद जिस तरह से सिंघवी जी ने मेरे जैसे को तराशा उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। मजे की बात यह कि एमआर सिंघवी पोलियों से ग्रसित होने के कारण चलने फिरने में असुविधा के बावजूद किसी के भी सहयोग के लिए उनके साथ जाने को तैयार हो जाते। विकलांगों के लिए उन्होंने संघर्ष करने के साथ ही स्थानीय से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक के खेलों का आयोजन, संयोजन व प्रोत्साहन दिया। देवेन्द्र झाझड़िया तो एक उदाहरण मात्र है जिन्हें विश्वपटल पर पहचान सिंघवी जी की प्रेरणा–प्रोत्साहन और सहयोग से ही संभव हो सका। आकाशवाणी का यह वह जमाना था जब टेलीप्रिंटर और टेलीफोन ही प्रमुख माध्यम होते थे। सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय से समाचारों की डाक आती थी वहीं प्रादेशिक समाचारों में समूचे प्रदेष के प्रमुख समाचारों का समावेश महत्वपूर्ण होता था। ऐसे में लगभग प्रतिदिन समाचार संपादक होने के बावजूद बिना किसी संकोच के फोन से समाचार लेने व स्वयं लिखने तक में संकोच नहीं करने के कारण ही मीडिया जगत में पहचान और विश्वसनीयता बनी। बुलेटिन में खबरों के चयन से लेकर प्रसारण तक तनावरहित वातावरण में काम करना और नए लोगों को प्रोत्साहित करना यही तो सिंघवी जी की पहचान रही। हिम्मत यह कि जयपुर दूरदर्शन निदेशक समाचार रहते हुए तत्कालीन केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री स्व. गिरिजा व्यास के जयपुर में एक ब्यूटीपार्लर के उद्घाटन के समाचार प्रसारित करने के दबाव के बावजूद मीडिया मानदंडों के विरुद्ध बताते हुए प्रसारित नहीं करना सिंघवी जैसे बिड़ला ही कर सकते हैं। इसी तरह से तत्कालीन मुख्यमंत्री जगन्नाथ पहाडिया के पिताजी के देहावसन के समाचार प्रसारण के लिए लाख दबाव के बावजूद विनम्रता से नीति विरुद्ध जाकर समाचार प्रसारित नहीं करने का निर्णय कोई सिंघवी जैसा ही ले सकता है।

मौजूदा संकट पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाना बहुत जरूरी

पी सुधीर

खून नहीं, बल्कि सिंदूर मेरी रगों में बह रहा है– प्रधानमंत्री मोदी के ये शब्द ऑपरेशन सिंदूर के बाद के अभियान की शुरुआत करने की उनकी खास शैली को दर्शाते हैं। देश के सामने मौजूद गंभीर चुनौतियों के जवाब में वह या उनकी सरकार और कर भी क्या कर सकती थी। पारदर्शिता और आत्मनिरीक्षण इस सरकार की कभी खासियत नहीं रही। मोदी सरकार की विदेश नीति की रणनीति प्रधानमंत्री को केंद्रीय व्यक्ति के रूप में पेश करने पर बहुत ज्यादा निर्भर रही है, जो सुसंगत कूटनीति को आगे बढ़ाने के बजाय एक व्यक्तित्व पंथ को विकसित करने का एक स्पष्ट प्रयास है। प्रधानमंत्री के व्यक्तित्व को विदेश नीति के अगुआ के रूप में स्थापित करने से पारंपरिक कूटनीतिक ज्ञान को उलट दिया गया है, और स्थापित कूटनीतिक परंपराओं से स्पष्ट रूप से यह अलग होने का संकेत है। ऐतिहासिक रूप से, भारत की विदेश नीति इसकी घरेलू नींव में निहित रही है– जिनमें शामिल हैं इसके जीवंत संसदीय लोकतंत्र का लचीलापन, धर्मनिरपेक्षता, संघवाद से प्रेरित विविधता में एकता, और सामाजिक और आर्थिक न्याय के प्रति प्रतिबद्धता। इन सिद्धांतों ने वह आधार बनाया जिसने राष्ट्रों के समुदाय में भारत की स्थिति को ऊंचा किया। समान नागरिकता पर आधारित विविधता में एकता भारतीय गणराज्य की एक परिभाषित पहचान रही है। दुख की बात है कि अब इस विरासत को कमजोर किया जा रहा है। छवि–केंद्रित, व्यक्ति–संचालित कूटनीति को व्यवस्थित और सिद्धांतबद्ध विदेश नीति के विकल्प के रूप में पेश किया जा रहा है। लेकिन यह दृष्टिकोण अस्थिर है – खासकर भारत जैसे देश के लिए, जिसका वैश्विक कद दशकों में बना है, जो उपनिवेशवाद–विरोधी राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन और एक धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में इसके विकास पर आधारित है। हिंदुत्ववादी ताकतों और आरएसएस के वैचारिक डीएनए का हिस्सा है कि वे खुद को इस विरासत से दूर रखें। पहलगाम हत्याकांड के बाद, सरकार को आखिरकार एक सर्वदलीय बैठक के दौरान यह स्वीकार करना पड़ा कि श्सुरक्षा चूकश हुई थी। लेकिन यह स्वीकारोक्ति बहुत कम और बहुत देर से हुई। अब भी, सरकार उस चूक की प्रकृति और दायरे के बारे में स्पष्ट रूप से बताने में विफल रही है। सिंगापुर में सुरक्षा वार्ता के दौरान बोलते हुए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ अनिल चौहान ने चार दिवसीय टकराव के दौरान विमान के नुकसान की बात स्वीकार की। हालांकि, उन्होंने कोई और विवरण नहीं दिया। इस तरह के अपर्याप्त स्पष्टीकरण विफलता की पूरी सीमा को बताने में विफल रहते हैं। मोदी सरकार के 11 साल के रिकॉर्ड – खासकर अनुच्छेद 370 को निरस्त करने – को मौजूदा संकट को देखते हुए नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अनुच्छेद 370 को खत्म करने और विलय के साधन को आधार देने वाले ऐतिहासिक तथ्यों को खारिज करने से जम्मू और कश्मीर के भारतीय संघ में एकीकरण की विरासत कमजोर हुई है। इससे भी गंभीर बात यह है कि इसने जम्मू और कश्मीर के लोगों – खासकर घाटी में – द्वारा सीमा पार आतंकवाद का विरोध करने में निभायी गयी महत्वपूर्ण भूमिका को मिटा दिया है। पहलगाम की घटना के बाद यह बात एकदम स्पष्ट हो गयी है। घाटी भर में लोग हत्याओं के विरोध में सड़कों पर उतर आये, लेकिन जन एकता का यह शक्तिशाली प्रदर्शन, जो एक बहुत ही सकारात्मक घटनाक्रम है, सरकार द्वारा न तो स्वीकार किया गया और न ही इसकी सराहना की गयी। इसके बजाय, हमले में कश्मीरी लोगों को ही शामिल करने का प्रयास किया गया – जिससे सरकार की असली मंशा और सही वैचारिक रुझान का पता चलता है। संविधान में निहित लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष सिद्धांतों को कायम रखने वाली सरकारों के द्विदलीय दृष्टिकोण की जगह अब गहरे ध्रुवीकरण ने ले ली है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को केवल सैन्य टकराव तक सीमित नहीं रखा जा सकता। शांति की सच्ची इच्छा उद्देश्य की स्पष्टता और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने वाले कार्यों में परिलक्षित होनी चाहिए। विदेश नीति और कूटनीति अलग–थलग प्रयास नहीं हैंय वे घरेलू नीतियों का विस्तार हैं। पिछले 11 वर्षों में हुए घटनाक्रम–जिसमें सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और लोकतांत्रिक और अल्पसंख्यक अधिकारों का क्षरण शामिल है – को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, खासकर आज के परस्पर जुड़े, सूचना–संचालित वैश्विक परिदृश्य में। एक नागरिक अधिकार समूह की एक तथ्य–खोजी रिपोर्ट ने पहलगाम हमलों के बाद 184 मुस्लिम विरोधी घृणा अपराधों का दस्तावेजीकरण किया, जिसमें व्यापक रूप से मुसलमानों और विशेष रूप से कश्मीरियों को निशाना बनाया गया। ये घटनाएं लगातार जारी रहीं। पहलगाम हत्याओं और सीमा पार से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी समूहों की व्यापक परिचालन योजनाओं के बारे में विस्तृत दस्तावेजीकरण की कमी से अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत का मामला और कमजोर हो गया है। जबकि घरेलू आबादी पाकिस्तान के इरादों के बारे में आश्वस्त हो सकती है, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय राय को आश्वस्त करने के लिए कहीं अधिक कठोर साक्ष्य और पारदर्शिता की आवश्यकता होती है। स्पष्टता का एक दुर्लभ क्षण पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज नरवाने से आया, जिन्होंने टिप्पणी की, श्युद्ध रोमांटिक नहीं है। यह आपकी बॉलीवुड फिल्म नहीं है। यह बहुत गंभीर मामला है... हालाँकि युद्ध हम पर नासमझ लोगों द्वारा थोपा जा सकता है, लेकिन हमें इसका स्वागत नहीं करना चाहिए। उन्होंने तैयारियों की आवश्यकता पर बल दिया, साथ ही इस बात पर जोर दिया कि शांतिपूर्ण वार्ता को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। राजनयिक संपर्क प्रयास के तहत, विभिन्न दलों के 59 सांसदों को पहलगाम घटना पर भारत सरकार की स्थिति को बताने के लिए विदेशी सांसदों, शिक्षाविदों, थिंक टैंक और मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत करने के लिए 32 देशों में भेजा गया था। फिर भी, उल्लेखनीय रूप से, इनमें से कोई भी देश भारत के निकटतम पड़ोसी देश से नहीं था। यह कूटनीतिक प्रयास प्रधानमंत्री की घरेलू बयानबाजी के बिल्कुल विपरीत था, जिसमें उनका दावा था कि श्उनकी रगों में खून नहीं, बल्कि सिंदूर बहता हैश और यह घोषणा कि आतंकवाद विरोधी अभियान सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक हैं। लेकिन इस तरह की विलंबित कूटनीतिक पहुंच कितनी सफल रही है, यह इस बात से स्पष्ट हो जाता है कि पाकिस्तान ने बिना किसी विरोध के आईएमएफ से 1अरब डॉलर का ऋण और विश्व बैंक से 400 लाख डॉलर की सहायता प्राप्त की है। इजराइल और अफगानिस्तान में तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार के अलावा, किसी अन्य देश ने भारत के रुख का समर्थन नहीं किया है। इस वास्तविकता को नकारने से किसी को कोई मदद नहीं मिलेगी। दशकों पुरानी सिंधु जल संधि को अचानक समाप्त करने की घोषणा ने स्थिति को और जटिल बना दिया। सीमा पार नदी बंटवारे का विश्व स्तर पर स्वीकृत सिद्धांत ऊपरी और निचले दोनों तटवर्ती राज्यों के अधिकारों को स्वीकार करता है। पारस्परिक रूप से सहमत संधि से एकतरफा वापसी से अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से समर्थन मिलने की संभावना नहीं है। व्यावहारिक रूप से, भारत में नदी के प्रवाह को रोकने के लिए जलाशय क्षमता का अभाव है, और सरकार ने जल विज्ञान संबंधी आंकड़ों का प्रकाशन फिर से शुरू नहीं किया है। इसका मतलब है कि बाढ़ या सूखे की स्थिति में, पाकिस्तानी किसान और आम लोग सबसे अधिक पीड़ित होंगे। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई आतंकवादियों के खिलाफ है–लोगों के खिलाफ नहीं, चाहे वे भारत में हों या पाकिस्तान में। आतंकवादियों को अलग–थलग किया जाना चाहिए। पूरे समुदाय के खिलाफ लड़ाई से कभी भी सकारात्मक परिणाम नहीं मिलेंगे। इसलिए, सामरिक प्रतिक्रियाएं एक व्यापक और सैद्धांतिक रणनीति का विकल्प नहीं हो सकती हैं।

अब गुजरात में न्याय की धज्जियां उड़ाता बुलडोजर राज

डॉ.इंदिरा हिरवे व डॉ.नेहा शाह

दुनिया भर में निर्माण कार्यों के लिए बुलडोजरों का उपयोग किया जाता है लेकिन श्नए भारतश में बड़े पैमाने पर अपराधियों, दंगाइयों या माफिया से जुड़े कहे जाने वाले लोगों के घरों और संपत्तियों को नष्ट करने के लिए विनाश के एक उपकरण के रूप में उनका उपयोग किया जा रहा है। ज्यादातर मामलों में लक्षित गरीब लोग होते हैं उनमें से कई अल्पसंख्यक समूहों से होते हैं और इस तरह बुलडोजर एक नए राजनीतिक उपकरण में बदल जाता है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले मुख्यमंत्री थे जिन्होंने तत्काल न्याय के लिए एक असाधारण उपकरण के रूप में बुलडोजरों का उपयोग किया। इस प्रथा को अब प्रचलित किया जा रहा है। अन्य राज्य भी इसका अनुसरण कर रहे हैं। ताजा मामला गुजरात सरकार का है जिसने पहले से ही झुग्गी उन्मूलन के लिए कार्यक्रम शुरू कर दिए हैं। ये स्लमों के पुनर्वास और पुनर्विकास हेतु विनियमन– 2010 अधिनियम के रूप में (गुजरात स्लम पुनर्वास नीति– पीपीपी–2013ज् ख्झुग्गीवासियों के पक्के घरों में पुनर्वास के लिए, और श्गुजरात किफायती आवास नीति– 2014 (शहरी गुजरात को झुग्गी मुक्त बनाने) आए थे जिसमें गुजरात राज्य में स्लम क्षेत्रों के सुधार तथा उनके विकास का प्रावधान है। ये सभी गुजरात सरकार और अहमदाबाद नगर निगम द्वारा घोषित आधिकारिक नीतियां हैं।अतिक्रमण के खिलाफ उठाए गए कदमों की एक श्रृंखला में हाल के दिनों में दो प्रमुख अभियानों में बुलडोजरों का उपयोग किया गया है। अप्रैल और मई 2025 में अहमदाबाद में, विशेष रूप से चंदोला झील क्षेत्र में घर तोड़े गए। अहमदाबाद शहर के दक्षिणी भाग में स्थित चंदोला झील एक अर्ध–सूखे झील का क्षेत्र है जो लगभग 109 हेक्टेयर भूमि को कवर करता है। यह आधिकारिक तौर पर अहमदाबाद नगर निगम के अंतर्गत आता है। झील पर अतिक्रमण कुछ किसानों द्वारा छोटे पैमाने पर फसल की खेती के साथ शुरू हुआ। गरीब परिवारों ने रहने के लिए धीरे–धीरे झील के किनारों पर कब्जा करना शुरू कर दिया और समय के साथ व्यापक क्षेत्र पर कब्जा किया गया। यहां के अधिकांश परिवार छोटे–मोटे व्यापार और विनिर्माण कार्यों में लगे हुए थे जो निर्माण कार्य, घरेलू काम, सब्जियां बेचने और अन्य दिहाड़ी काम करने वाले मजदूर थे। झील के एक छोटे से हिस्से पर, जिसे बंगला–वास के नाम से जाना जाता है, बांग्लादेशी प्रवासियों का कब्जा था। समय के साथ इस क्षेत्र ने छोटे स्थानीय क्षेत्र की व्यावसायिक गतिविधियों के एक पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित किया। कुछ लोगों ने कानून की सीमाओं को तोड़ा और स्थानीय गिरोहों को जन्म दिया। अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) द्वारा शुरू किए गए इस तोड़फोड़ से 7,000 से अधिक संपत्तियां प्रभावित हुई हैं जो ज्यादातर अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों के स्वामित्व वाली हैं। कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए हमले के चार दिन बाद तोड़फोड़ की कार्रवाई हुई। स्थानीय रिपोर्टों में कहा गया है कि अधिकारियों ने चंदोला के निवासियों को बिना दस्तावेजों वाले बांग्लादेशी अप्रवासियों के संदेह में हिरासत में लेना शुरू किया। बुलडोजरों की मदद से तोड़फोड़ 2023 में शुरू हुई थी पर वर्ष 2024 में गुजरात में बहुत अधिक कार्रवाइयां देखी गईं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को दादा के नाम से जाना जाता है पर उनके शासन काल में बुलडोजर राज को दादा का बुलडोजर कहा जाने लगा है। गुजरात में बुलडोजरों का मुख्य फोकस सरकारी जमीन पर अवैध अतिक्रमण हटाने पर रहा है। राज्य सरकार ने 2024 के अंत तक पूरे गुजरात में कई बार बुलडोजरों का प्रयोग किया। प्रमुख घटनाएं अहमदाबाद शहर, मेहसाणा, कच्छ, जूनागढ़, द्वारका, वडोदरा, सूरत, नवसारी और अन्य शहरों में हुई हैं। जिन क्षेत्रों में ये कार्रवाइयां की गईं वे ज्यादातर गरीब, वंचित समूहों की बस्तियां हैं जिनमें अल्पसंख्यक भी शामिल हैं। इन लोगों पर अवैध गतिविधियों और स्थानीय अपराधों में शामिल होने का आरोप है। जैसा कि कार्रवाई स्थलों से दिखाई पड़ता है कि बुलडोजर का कहर गरीब क्षेत्रों में हुआ और उसके दायरे में कभी भी पड़ोस के संपन्न इलाके नहीं थे। 2022 में एक स्थानीय पार्षद ने एक मानवाधिकार वकील के साथ मिलकर एएमसी से झुग्गी पुनर्वास योजना के तहत यहां रहने वाले परिवारों के पुनर्वास पर विचार करने का अनुरोध किया पर एएमसी ने इस विषय को इस आधार पर आगे नहीं बढ़ाया कि उस समय उसके पास कोई योजना नहीं थी। यह बात पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज (पीयूसीएल), अहमदाबाद के मानवाधिकार वकील आनंदवर्धन याग्निक ने बताई। याग्निक अहमदाबाद तोड़–फोड़ सहित मानवाधिकारों के उल्लंघन से संबंधित कानूनी मामलों में शामिल रहे हैं। उन्होंने विशेष रूप से हाशिए के समुदायों को लक्षित करने वाले विध्वंस के खिलाफ यह तर्क देते हुए कहा है कि ऐसी तोड़–फोड़ अक्सर उचित कानूनी प्रक्रियाओं के बिना किए जाते हैं जिससे विस्थापन और कठिन होता है। पहलगाम की घटना के बाद गुजरात नेतृत्व ने कथित तौर पर चंदोला क्षेत्र पर अपना ध्यान केंद्रित किया और एएमसी की मदद से कार्रवाई शुरू कर दी। 26 अप्रैल को तड़के 3 बजे एक टीम तलाशी अभियान के लिए आई। उसने 890 व्यक्तियों की पहचान की और उन्हें पुलिस सुरक्षा में अंधेरी रात में 4 किमी से अधिक दूर स्थित कांकरिया फुटबॉल मैदान ले गई। उन्हें वहां तीन दिनों तक रखा गया। अधिकारियों ने अंततरू पाया कि इनमें से केवल 150 व्यक्ति (16–17 प्रतिशत) अवैध रूप से बांग्लादेशी प्रवासी थे। 29 अप्रैल को 2,000 नगरपालिका कर्मचारियों और पुलिसकर्मियों की टीम, एक दर्जन से अधिक बुलडोजर, लगभग 200 ट्रकों के साथ चंदोला झील पहुंची और उसने निवासियों के घरों, दुकानों और अन्य संपत्तियों को ढहाना शुरू कर दिया। लगभग 3,000 महिलाओं, बच्चों एवं पुरुषों को 44 डिग्री सेल्सियस के तापमान में भीषण गर्मी में, खुले में रहने को मजबूर कर दिया। पीयूसीएल इस मुद्दे पर एएमसी के खिलाफ मुकदमा लड़ रहा है और उसकी रिपोर्टों में ये विवरण दिया गया है। कार्रवाई करने वालों को इस बात की कोई चिंता नहीं थी कि विस्थापित कहां जाएंगे और कहां रहेंगे। अगले दिन राष्ट्रीय समाचार पत्रों में यह खबर छपी कि सरकार ने चंदोला झील से अवैध रूप से बसे बांग्लादेशियों को सफलतापूर्वक बाहर निकाल दिया है लेकिन उसमें यह उल्लेख नहीं था कि उनमें से अधिकांश अप्रवासी नहीं बल्कि भारतीय नागरिक थे। चंदोला झील स्थल पर पूरी कवायद कई सवाल उठाती है, जिनमें सबसे उल्लेखनीय यह है कि झुग्गी कॉलोनी पिछले कुछ वर्षों में अधिकारियों की जानकारी में ही बढ़ी है। इसके अलावा सरकार ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित बेदखली के नियमों का पालन नहीं किया– जैसे कि बेदखली से पहले न्यूनतम अवधि की उचित नोटिस देना।

प्यार कभी नहीं बदलता, इसी बात का सबूत है कम फॉल इन लव- द डीडीएलजे म्यूजिकल : रानी मुखर्जी

मशहूर एक्ट्रेस रानी मुखर्जी हाल ही में कम फॉल इन लव– द डीडीएलजे म्यूजिकल के प्रीमियर में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने खास बातचीत की और बताया कि इसमें प्यार और रिश्तों की कहानी बेहद खास है, जिसके चलते इसे लोग आज भी काफी पसंद कर रहे हैं। इस म्यूजिकल का निर्देशन उनके पति आदित्य चोपड़ा ने किया है। रानी मुखर्जी ने बताया कि इस म्यूजिकल की कहानी इतनी खास इसलिए है क्योंकि इसमें प्यार की ताकत को बेहतरीन अंदाज में दिखाया गया है। उन्होंने कहा कि चाहे दुनिया कितनी भी बदल जाए, प्यार हमेशा एक जैसा रहता है। यही बात इस म्यूजिकल में बहुत खूबसूरती से दिखाई गई है। एक्ट्रेस ने कहा कि भले ही यह म्यूजिकल फिल्म श्दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगेश से जुड़ी हो, लेकिन इसे देखकर ऐसा नहीं लगता जैसे यह कोई पुरानी कहानी है। रानी मुखर्जी ने बताया कि फिल्म श्दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे की कहानी में जो प्यार दिखाया गया है, उसकी शुरुआत असल में आदित्य चोपड़ा ने पहले एक अलग कहानी से की थी। उस पहले कॉन्सेप्ट में जोड़ी रॉजर और सिमरन की थी। बाद में यह कहानी बदलकर राज और सिमरन की जोड़ी बन गई। लेकिन अब, आदित्य चोपड़ा ने उसी कॉन्सेप्ट पर काम किया है। रानी मुखर्जी ने कहा, बहुत कुछ बदल सकता है, सब कुछ बदल सकता है, लेकिन प्यार समय की कसौटी पर हमेशा खरा उतरता है। कम फॉल इन लव (सीआईएफएल) इसी बात का सबूत है। जब आप इसे आज देखते हैं, तो आपको ऐसा नहीं लगता कि यह कहानी 30 साल पुरानी है। रॉजर और सिमरन की कहानी आदित्य चोपड़ा की असली कहानी थी, जो बाद में बदलकर राज और सिमरन की कहानी बन गई। और अब 30 साल बाद, उन्होंने अपनी उस पहली कहानी रॉजर और सिमरन को वापस लेकर आए हैं। आदित्य चोपड़ा की कम फॉल इन लव– द डीडीएलजे म्यूजिकलश का मैनचेस्टर ओपेरा हाउस में मंचन हो रहा है। यह म्यूजिकल फिल्म दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे (डीडीएलजे) से प्रेरित है, जो भारतीय सिनेमा की सबसे लंबी चलने वाली फिल्म है। यह म्यूजिकल अंग्रेजी भाषा में है। इसे भारत और यूके के बीच सांस्कृतिक रिश्ते को मजबूत करने वाले एक बड़े कदम के रूप में देखा जा रहा है। फिल्म डीडीएलजे 1995 से ही मुंबई में लगातार चलती आ रही है और यह भारतीय फिल्म संस्कृति का एक खास हिस्सा बन चुकी है। अब इस फिल्म को एक म्यूजिकल के रूप में दुनिया भर के दर्शकों के सामने पेश किया गया है। इस म्यूजिकल में 18 नए गाने अंग्रेजी में बनाए गए हैं। इसमें मैनचेस्टर और नॉर्थवेस्ट से जुड़े ब्रिटिश नए कलाकारों के साथ–साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जाने–माने दक्षिण एशियाई कलाकार भी शामिल हैं। इस म्यूजिकल में कई कलाकार हैं। सिमरन का किरदार जेना पंड्या निभा रही हैं, जो पहले भांगड़ा नेशन और मम्मा मिया में काम कर चुकी हैं। रॉजर के किरदार में एशली डे हैं, जो एन अमेरिकन इन पेरिस और डायनेस्टी का हिस्सा रह चुके हैं। सपोर्टिंग रोल में इरविन इकबाल ने बलदेव का किरदार निभाया है। कारा लेन मिंकी और मिली ओकॉनल कूकी के रोल में हैं। हरवीन मान–नीयर ने लज्जो की भूमिका निभाई है। इसके अलावा, अमोनिक मेलाको, अंकुर सभरवाल, किंशुक सेन और रसेल विलकॉक्स भी इस म्यूजिकल का हिस्सा हैं।

सोनम कपूर ने फैशन आइकॉन के रूप में इंडस्ट्री में बनाई पहचान, आज मना रहीं 40वां जन्मदिन

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनम कपूर आज यानी की 09 जून को अपना 40वां जन्मदिन मना रही हैं। सोनम कपूर ने अपनी अदायगी और फैशन सेंस से फिल्मी दुनिया में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। बता दें कि एक्ट्रेस बनने से पहले सोनम कपूर ने असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में भी काम कर चुकी हैं। वहीं सोनम कपूर डांस के कई फॉर्म में भी प्रशिक्षित हैं। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर एक्ट्रेस सोनम कपूर के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार

महाराष्ट्र राज्य के मुंबई शहर में 9 जून 1985 को सोनम कपूर का जन्म हुआ था। इनके पिता का नाम अनिल कपूर है, जोकि बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता हैं। वहीं सोनम की मां का नाम सुनीता कपूर है। सोनम ने अपनी शुरूआती पढ़ाई मुंबई के जुहू स्थित आर्य विद्या मंदिर से पूरी की। फिर मुंबई यूनिवर्सिटी और लंदन की ईस्ट लंदन यूनिवर्सिटी से कॉलेज की पढ़ाई पूरी की। वहीं सोनम ने इकोनॉमिक्स यानी अर्थशास्त्र और राजनीति विज्ञान यानी पॉलिटिकल साइंस में ग्रेजुएट किया है।

फिल्मी करियर

बता दें कि सोनम कपूर ने एक्ट्रेस बनने से पहले संजय लीला भंसाली के साथ एक सहायक के रूप में काम किया। सोनम ने साल 2005 में आई फिल्म श्ब्लैकश के निर्माण के दौरान संजय लीला भंसाली की मदद की। वहीं साल 2007 में सोनम कपूर ने संजय लीला भंसाली की फिल्म श्सांवरियाश से डेब्यू किया। इस फिल्म में सोनम और रणबीर कपूर थी, जोकि बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई। लेकिन इस फिल्म में सोनम कपूर के काम की अच्छी समीक्षा हुई। इसके बाद एक्ट्रेस सोनम कपूर ने इमरान खान के साथ आई फिल्म श्आई हेट लव स्टोरीजश में नजर आईं। इसके बाद सोनम कपूर ने कई फिल्मों जैसे दिल्ली छह, रांझणा, नीरजा, भाग मिल्खा भाग और वीरे दी वेडिंग में काम किया।

शादी

वहीं साल 2018 में सोनम कपूर ने सक्सेसफुल बिजनेसमैन आनंद आहूजा से शादी कर ली। इस कपल का एक प्यारा सा बेटा वायु है।

मायानगरी को छोड़ क्यों गांव में बस गए नाना पाटेकर, अभिनेता ने अमिताभ बच्चन को बताई वजह

दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर क्विज आधारित रियलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति 17 में बतौर गेस्ट बनकर पहुंचे और हॉट सीट पर बैठे। इस दौरान उन्होंने अपने गांव लौटने और मायनगरी मुंबई से दूर रहने की वजह का खुलासा किया। शो के होस्ट अमिताभ बच्चन ने नाना पाटेकर से सवाल पूछा, आपने जीवन में इतना कुछ हासिल किया, फिर सब कुछ छोड़कर गांव क्यों चले गए? इस पर अपने दिल की बात साझा करते हुए नाना पाटेकर ने सादगी से जवाब देते हुए कहा, मैं फिल्म इंडस्ट्री से नहीं हूं। मैं बस यहां काम करने आता हूं और फिर वापस चला जाता हूं। मैं कभी किसी पार्टी में नहीं गया, न ही शहर में ज्यादा रुका। मैं गांव का हूं और वहीं रहना पसंद करता हूं। मुझे वहां की जिंदगी अच्छी लगती है। नाना ने भावुक होकर कहा, मुझे अपनी मां से जितना चाहिए था, उससे कई गुना ज्यादा मिला है। जरूरतें सीमित रखना बहुत आसान है। मेरे पास एसी नहीं है, क्योंकि मुझे उसकी जरूरत नहीं लगती। जैसे शहर में चारों तरफ दीवारें होती हैं, वैसे ही मेरे घर के चारों ओर पहाड़ हैं। पहाड़ों से घिरा हुआ मेरा घर है, और मैं वहीं आराम से रहता हूं। मुझे यह बहुत अच्छा लगता है। एपिसोड में नाना पाटेकर ने अभिनेत्री माधुरी दीक्षित की भी जमकर तारीफ की। शो में एक दर्शक ने जब नाना से पूछा कि फिल्म वजूद में माधुरी दीक्षित के साथ काम करने का उनका अनुभव कैसा रहा? तो उन्होंने कहा, माधुरी दीक्षित के साथ काम करना एक शानदार अनुभव रहा। वह एक बेहतरीन अभिनेत्री हैं, खूबसूरत हैं, कमाल की डांसर हैं, और उनमें वह सब कुछ है जो हर इंसान में होना चाहिए। मैं उन्हें बेहद सम्मान की नजरों से देखता हूं। शो में आगे दर्शकों ने नाना पाटेकर से फिल्म वजूद में माधुरी दीक्षित को सुनाई कविता कैसे बताऊं मैं तुम्हें से जुड़ा सवाल भी किया। इस पर मुस्कुराते हुए एक्टर ने जवाब दिया, वह कविता जावेद अख्तर साहब ने लिखी थी। उस फिल्म को लगभग 30–35 साल हो गए हैं, लेकिन यह कविता आज भी मुझे याद है। मैंने यह कविता माधुरी को सुनाई थी, इसलिए यह मेरे लिए भूलना मुश्किल है। आज भी ऐसा लगता है जैसे वह कविता मेरे खून में दौड़ रही हो। जब भी कोई मुझसे उस कविता के बारे में पूछता है, तो काफी सारी यादें दिल में ताजा हो जाती हैं। नाना पाटेकर शो में एक्टर उत्कर्ष शर्मा, एक्ट्रेस सिमरत कौर और लेखक–निर्देशक अनिल शर्मा के साथ आए थे।

संडे ऑन साइकिल जागरूकता फैलाने के लिए बहुत महत्वपूर्ण : अभिनेत्री मधुरिमा तुली

भारतीय रेलवे फिट इंडिया मूवमेंट के तहत साप्ताहिक संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में किया गया। इस कार्यक्रम में अभिनेत्री मधुरिमा तुली, पर्वतारोही नरेंद्र कुमार और रेसलर अनिरुद्ध कुमार ने भी हिस्सा लिया। अभिनेत्री मधुरिमा तुली ने समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान कहा, मुझे इस आंदोलन का हिस्सा बनने पर बहुत गर्व है। फिट इंडिया मूवमेंट और संडे ऑन साइकिल जागरूकता फैलाने के लिए बहुत महत्वपूर्ण पहल हैं। खेल हमारी मानसिक और शारीरिक फिटनेस के लिए आवश्यक हैं। लोगों के उत्साह को देखने के बाद मुझमें भी ऊर्जा पैदा हो गई है। सबने एक स्वर में वंदे मातरम और भारत माता की जय के नारे लगाए। सरकार की यह पहल बहुत ही अच्छी रही है। हमें वर्कआउट करने का समय नहीं मिलता है। मेरी लोगों से अपील है कि हफ्ते में एक दिन अपने और स्वास्थ्य के लिए समय जरूर दें। काम चलता रहेगा, लेकिन कमाने के लिए भी शरीर के स्वस्थ रहने की जरूरत है। भगवान ने जिंदगी दी है तो इसका आनंद लेना चाहिए और इसके लिए स्वस्थ रहना बहुत जरूरी है। पर्वतारोही नरेंद्र कुमार कहते हैं, हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुरू किया गया फिट इंडिया मूवमेंट आज आस–पास के क्षेत्र में सक्रिय रूप से चल रहा है। आप देख सकते हैं कि कितने सारे लोग और युवा इसमें शामिल हुए हैं। इस आयोजन से समाज को स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश जाएगा।

अक्षय कुमार की फिल्म हाउसफुल 5 ने तीन दिन में बॉक्स ऑफिस पर कमाए 91.83 करोड़ रु

अक्षय कुमार, नाना पाटेकर और जैकलीन फर्नांडिस अभिनीत फिल्म 'हाउसफुल 5' ने रिलीज होने के पहले सप्ताहांत में घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 91.83 करोड़ रुपये की कमाई की है। निर्माताओं ने सोमवार को यह जानकारी दी। साजिद नाडियाडवाला के प्रोडक्शन बैनर नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित इस फिल्म का निर्देशन तरुण मनसुखानी ने किया है। 'हाउसफुल 5' सिनेमा घरों में छह जून को रिलीज हुई थी। इस फिल्म में सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, सौंदर्या शर्मा, जैकी श्रॉफ, रितेश देशमुख, फरदीन खान और संजय दत्त ने भी अभिनय किया है। प्रोडक्शन बैनर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर फिल्म की बॉक्स ऑफिस पर कमाई के बारे में जानकारी साझा की। प्रोडक्शन बैनर ने पोस्ट में लिखा, हाउसफुल 5 ने पहले दिन 24.35 करोड़ रु और अगले दिन 32.38 करोड़ रुपये की कमाई की। तीसरे दिन इसने 35.10 करोड़ रुपये की कमाई की है।

इन बीमारियों को मैनेज करने में रामबाण की तरह काम करता है लौकी का जूस, जानिए

लौकी के रस में भरपूर मात्रा में पानी, फाइबर और ज़रूरी पोषक तत्व होते हैं, जो ब्लड प्रेशर से लेकर डायबिटीज तक में असरदार हैं। साथ ही साथ, इसमें कैलोरी बहुत कम होती है, इसलिए अगर आप अपना वज़न कम करना चाहती हैं तो भी यह एक अच्छा ऑप्शन है।

कहते हैं पहला सुख निरोगी काया। लेकिन हेल्दी रहने के लिए सबसे जरूरी होता है कि आप अपनी डाइट पर खास ध्यान दिया जाए। ऐसी कई सब्जियां होती हैं, जिन्हें डाइट में शामिल करना सेहत के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इन्हीं में से एक है लौकी। जिसे आप बतौर जूस ले सकते हैं। अगर सुबह खाली पेट इसका एक गिलास पिया जाए तो इससे ना केवल शरीर अच्छे से डिटॉक्स होता है, बल्कि पाचन सुधरता है और कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं खुद ब खुद ही ठीक हो जाती है। दरअसल, लौकी के रस में भरपूर मात्रा में पानी, फाइबर और ज़रूरी पोषक तत्व होते हैं, जो ब्लड प्रेशर से लेकर डायबिटीज तक में असरदार हैं। साथ ही साथ, इसमें कैलोरी बहुत कम होती है, इसलिए अगर आप अपना वज़न कम करना चाहती हैं तो भी यह एक अच्छा ऑप्शन है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि लौकी का जूस पीने से आप किन स्वास्थ्य समस्याओं को मैनेज करने में काफी मदद मिल सकती है–

हाई बीपी

जिन लोगों को हाई बीपी की शिकायत रहती है, उन्हें लौकी के जूस को अपनी डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। दरअसल, इसमें पोटैशियम अच्छा खासा होता है, जो शरीर में सोडियम को बैलेंस करता है और नसों को रिलैक्स करता है। यही वजह है कि सुबह खाली पेट एक गिलास बिना नमक वाला ताजा लौकी जूस पीने से उन्हें काफी फायदा मिलता है।

डायबिटीज़

अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं, तो भी आप लौकी के जूस को अपनी डाइट का हिस्सा बनाएं। दरअसल, लौकी का जूस न ज्यादा कैलोरी वाला होता है और न ही मीठा, इसलिए यह शुगर कंट्रोल के लिए एक बढ़िया ऑप्शन हो सकता है। साथ ही साथ, इसमें फाइबर होता है जो खाने को धीरे–धीरे पचने देता है, जिससे आपको ब्लड शुगर स्पाइक नहीं होता है। इससे इंसुलिन सेंसेटिविटी भी बेहतर होती है।

कब्ज़ और गैस

जिन लोगों का पेट अच्छी तरह साफ नहीं होता या उन्हें दिनभर गैस आदि की प्रॉब्लम रहती है, उन्हें लौकी का जूस पीना चाहिए। ये पेट को ठंडक देता है। साथ ही साथ, फाइबर रिच होने की वजह से आपकी कब्ज की शिकायत भी दूर होती है। पाचन के लिए लौकी का जूस काफी अच्छा माना गया है, क्योंकि इससे गैस, एसिडिटी जैसी दिक्कतों से भी राहत मिलती है।

लिवर की समस्या

अगर आपको लिवर से जुड़ी कोई समस्या है तो ऐसे में आपको लौकी का जूस पीना चिहए। लौकी का जूस लिवर को डीटॉक्स करता है। साथ ही साथ, इससे लिवर को ठंडक मिलती है और यह फैटी लिवर जैसी प्रॉब्लम में भी सपोर्ट करता है। रोज़ पीने से लिवर की सेहत सुधरती है।

सोते समय दिखें ये 6 लक्षण तो हो जाएं सतर्क, किडनी पूरी तरह दे गई जवाब

हम अक्सर सोचते हैं कि रात को सोना सिर्फ आराम के लिए होता है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि आपकी नींद ही आपके स्वास्थ्य की गंभीर चेतावनी बन सकती है? अगर आपकी किडनी ठीक से काम नहीं कर रही है, तो इसके शुरुआती संकेत आपको सोते समय दिख सकते हैं। आइए जानते हैं वो 6 खास लक्षण, जिनसे समझा जा सकता है कि किडनी खतरे में है और तुरंत डॉक्टर से संपर्क जरूरी है।

रात में बार–बार पेशाब आना

अगर आपको रात को बार–बार उठकर पेशाब जाना पड़ता है, खासकर हर दो–तीन घंटे में, तो ये किडनी की गड़बड़ी का पहला संकेत हो सकता है। इसका मतलब है कि आपकी किडनी रक्त को फिल्टर करने की अपनी क्षमता खो रही है।

पैरों और टखनों में सूजन

सुबह उठने के बाद अगर आपके पैर या टखने सूजे हुए दिखें, तो ये चेतावनी है। जब किडनी शरीर से अतिरिक्त पानी और नमक नहीं निकाल पाती, तो वह पैरों में इकट्ठा होकर सूजन का कारण बनता है।

रात को बेचौनी या नींद पूरी न होना

अगर आपको रात भर चौन से नींद नहीं आती, करवटें बदलनी पड़ती हैं या कोई अजीब सी घबराहट महसूस होती है, तो ये संकेत हो सकता है कि आपकी किडनी से जुड़ी नसों में कोई परेशानी है।

सांस फूलना या सीने में जकड़न

लेटते समय अगर आपको सांस लेने में परेशानी होती है या सीने में भारीपन महसूस होता है, तो इसे नजरअंदाज न करें। ये लक्षण शरीर में जमा अतिरिक्त तरल के कारण हो सकते हैं, जो फेफड़ों में भी पहुंच सकता है।

मांसपेशियों में ऐंठन या झटके

सोते समय पैरों या शरीर में मांसपेशियों का अकड़ना, ऐंठन या अचानक झटका महसूस होना कैल्शियम और इलेक्ट्रोलाइट्स के असंतुलन का संकेत हो सकता है, जो किडनी फेल होने की वजह से होता है।

थकान और सिर में भारीपन

अगर नींद के बावजूद सुबह उठते ही थकावट महसूस हो, सिर भारी लगे और दिनभर ऊर्जा की कमी बनी रहे, तो ये आपकी किडनी द्वारा शरीर से विषैले तत्वों को न निकाल पाने का संकेत हो सकता है।

क्या करें?

अगर आपको इनमें से कोई भी लक्षण लगातार दिख रहे हैं, तो इसे हल्के में न लें। तुरंत किसी अच्छे डॉक्टर से मिलें और जरूरी जांच करवाएं। किडनी की समस्या शुरुआत में ही पकड़ में आ जाए, तो इलाज संभव है और गंभीर बीमारी से बचा जा सकता है।

कोलेस्ट्रॉल बढ़ेगा नहीं और किडनी कभी खराब नहीं होगी, इतना असरदार है इस सब्जी का पानी!

भिंडी सिर्फ एक स्वादिष्ट सब्जी नहीं, बल्कि एक जबरदस्त औषधीय गुणों वाला फूड है। इसका पानी बनाकर पीने से शरीर को कई फायदे मिलते हैं, खासकर जब इसमें थोड़ा सा शहद मिला दिया जाए। यह ड्रिंक न सिर्फ कोलेस्ट्रॉल कम करता है, बल्कि डायजेशन, ब्लड शुगर, वजन, इम्यूनिटी और किडनी डिटॉक्स तक में मदद करता है।

सेहत का रामबाण नुस्खा

भिंडी में फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट्स (जैसे पॉलीफेनॉल्स और फ्लेवोनोइड्स), विटामिन सी, ए, और के मौजूद होते हैं। वहीं शहद में एंटीबैक्टीरियल और डिटॉक्स गुण होते हैं। जब ये दोनों मिलते हैं, तो ये ड्रिंक बन जाता है एक नेचुरल हेल्थ टॉनिक।

कोलेस्ट्रॉल को करता है कम, दिल को रखे मजबूत

भिंडी में मौजूद फाइबर खराब कोलेस्ट्रॉल (एलडएल) को शरीर से बाहर निकालने में मदद करता है। साथ ही यह पित्त उत्पादन को नियंत्रित कर कोलेस्ट्रॉल टूटने की प्रक्रिया को बेहतर करता है। शहद इसमें ब्लड प्रेशर और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को घटाकर हार्ट हेल्थ सुधारता है।

पाचन सुधारता है, गट हेल्थ को बनाता है बेहतर

भिंडी में मौजूद सॉल्यूबल फाइबर और म्यूसिलेज प्रोबायोटिक का काम करते हैं, जिससे कब्ज, गैस, एसिडिटी और पेट फूलना जैसी समस्याएं दूर होती हैं। शहद इस असर को और बेहतर बना देता है।

ब्लड शुगर कंट्रोल में रखता है

भिंडी कुछ ऐसे यौगिक से भरपूर होती है जो शुगर के अवशोषण की गति को धीमा करते हैं, जिससे ब्लड शुगर का स्तर तेजी से नहीं बढ़ता। शहद अगर सही मात्रा में लिया जाए, तो यह डायबिटीज के मरीजों के लिए भी फायदेमंद हो सकता है।

वजन घटाने में मदद करता है

भिंडी का फाइबर पेट को ज्यादा देर तक भरा रखता है, जिससे बार–बार खाने की इच्छा कम होती है। यह फैट को जमा होने से रोकता है। शहद से मीठा स्वाद तो मिलता है लेकिन इसमें अनहेल्दी कैलोरी नहीं होती, जिससे वजन कंट्रोल में रहता है।

इम्यूनिटी को करता है मजबूत

भिंडी में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स की भरपूर मात्रा होती है, जो शरीर की प्राकृतिक रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्यूनिटी) को बढ़ाते हैं। शहद के एंटीबैक्टीरियल गुण इसे बनाते हैं नेचुरल इम्यूनिटी बूस्टर।

किडनी और लिवर को करता है डिटॉक्स

भिंडी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालते हैं, जिससे किडनी और लिवर हेल्दी रहते हैं। डायबिटिक पेशेंट्स के लिए ये ड्रिंक खासतौर पर फायदेमंद है क्योंकि ये किडनी डैमेज से बचाव में मदद करता है। शहद शरीर की सफाई में और भी ज्यादा असरदार बनाता है।

कैसे बनाएं भिंडी का पानी?

भिंडी का पानी बनाने के लिए 2–3 ताजी भिंडी लें, उन्हें अच्छी तरह धोकर छोटे टुकड़ों में काट लें और रातभर एक गिलास पानी में भिगोकर रख दें। अगली सुबह इस पानी को छान लें और उसमें 1 छोटा चम्मच शहद मिलाकर खाली पेट पिएं। यह हेल्दी ड्रिंक शरीर को डिटॉक्स करने, पाचन सुधारने और किडनी को स्वस्थ रखने में मदद करता है।

अनारकली सूट में दिखना है स्टनिंग तो अपनाएं ये फैशन हैक्स

अनारकली सूट के साथ दुपट्टा कैरी करते समय थोड़ा स्मार्टली प्ले करें। मसलन, अगर अनारकली पर हैवी एंब्रायडरी है, दुपट्टा लाइट रखें। वहीं, अगर अनारकली सिंपल या एक रंग की है, तो उस पर बनारसी, फुलकारी, गोटा–पट्टी या मिरर वर्क वाला दुपट्टा बहुत अच्छा लगता है। जब भी किसी वेडिंग फंक्शन या फैमिली पार्टी के लिए तैयार होने की बात होती है तो अक्सर हम सभी एथनिक वियर पहनना पसंद करती है। इन एथनिक वियर में अनारकली सूट भी एक बेहतरीन एथनिक वियर ऑप्शन माना जाता है। यह एक ऐसा आउटफिट है, जो आपको एलीगेंट लेकिन रॉयल लुक देता है और शायद यही वजह है कि हर लड़की की वार्डरोब में अनारकली सूट होता ही है। यूं तो अनारकली सूट को ऐसे ही कैरी किया जा सकता है। लेकिन अगर इसके साथ कुछ आसान फैशन हैक्स को अपनाया जाए तो आप एक ही सूट को हर बार एक अलग तरह से कैरी कर सकती हैं। इतना ही नहीं, सिंपल सा अनारकली सूट भी आपके लुक को काफी एन्हॉन्स कर सकता है। अनारकली सूट को स्टाइल करते समय बस आपको कुछ छोटे–छोटे टिप्स पर ध्यान देने की जरूरत है, जिसके बारे में आज हम आपको इस लेख में बता रहे हैं–

दुपट्टे को यूं करें स्टाइल

अनारकली सूट के साथ दुपट्टा कैरी करते समय थोड़ा स्मार्टली प्ले करें। मसलन, अगर अनारकली पर हैवी एंब्रायडरी है, दुपट्टा लाइट रखें। वहीं, अगर अनारकली सिंपल या एक रंग की है, तो उस पर बनारसी, फुलकारी, गोटा–पट्टी या मिरर वर्क वाला दुपट्टा बहुत अच्छा लगता है। आप दुपट्टे को एक तरफ कंधे पर पिन कर दो और दूसरी तरफ ढीला छोड़ दो। इससे एक रॉयल लुक मिलता है। या फिर अगर आप चाहें तो कमर पर बेल्ट लगाकर दुपट्टा फिक्स किया जा सकता है। यह ना केवल स्टाइलिश लगता है, बल्कि दुपट्टे को मैनेजर करना भी आसान हो जाता है।

फुटवियर पर करें फोकस

जब आप अनारकली सूट पहन रही हैं तो उसके साथ हील्स को जरूर पहनें। फ्लैट्स से अनारकली में आपकी हाइट कम महसूस हो सकती है। अगर आप पेंसिल हील्स पहनने में कंफर्टेबल नहीं है तो ऐसे में ब्लॉक हील्स, मोजड़ी हील्स या कोल्हापुरी वेजेस पहने जा सकते हैं। वहीं, अगर आपको इसे लंबे टाइम तक पहनना है, तो कुशन वाले प्लेटफॉर्म हील्स को चुना जा सकता है। यह आपको कंफर्ट और ग्रेस दोनों देगा।

समझदारी से स्टाइल करें ज्वेलरी

अनारकली सूट के साथ एक्सेसरीज को थोड़ा स्मार्टली कैरी करना चाहिए। मसलन, अगर अनारकली सूट की नेकलाइन हाई है तो ऐसे में नेकपीस पहनने से बचें। इसकी जगह बस आप बड़े झुमके या चांदबालियां स्टाइल कर लें। वहीं, अगर नेकलाइन डीप है, तो सिंपल पेंडेंट और छोटे स्टड्स भी काफी अच्छे लगते हैं। इसके अलावा, दोनों हाथों को चूड़ियों से भरने की गलती ना करें। एक हाथ में स्टेटमेंट कड़ा रखो, दूसरे में वॉच।

संक्षिप्त

भारतीय शेयर बाजार में आया शानदार उछाल, आरबीआई की ब्याज दर में कटौती के बाद सेंसेक्स-निफ्टी में आई तेजी

भारतीय शेयर बाजार ने सप्ताह भर में मजबूत शुरुआत का संकेत दिया है। शेयर बाजार के दोनों बेंचमार्क सूचकांक यानी सेंसेक्स और निफ्टी के खुलने के शुरुआती घंटे में ये हरे निशान पर पहुंच गया था। बीएसई सेंसेक्स जब सुबह नौ बजे खुला तो ये 350 अंक ऊपर चढ़ गया था। वहीं एनएसई निफ्टी 50 175 अंक ऊपर चढ़ा था। जैसे ही बाजार खुले तो सूचकांक में सकारात्मक रुख देखने को मिला। इस दौरान सकारात्मक धारणा के साथ कारोबार हो रहा था। निवेशक इससे पहले शुक्रवार को भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो रेट में कटौती किए जाने का स्वागत किया है। सुबह 9:20 बजे तक सेंसेक्स 300 अंक ऊपर उठा। इस बढ़त के साथ सेंसेक्स 82,500 के ऊपर पहुंच गया था। निफ्टी 50 भी इस दौरान 109 अंकों की बढ़त देखते हुए 25,175 के ऊपर पहुंच चुका था। बता दें कि इस दौरान तीस शेयर वाला सेंसेक्ट में कोटक बैंक, एक्सिस बैंक, टाटा मोटर्स, मारुति और इंफोसिस में तेजी देखने को मिली है। सत्र में अब पिछड़ने वालों में इटरनल, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर भी हरे निशान पर कारोबार करते रहे। निफ्टी स्मॉलकैप 50 हरे निशान में कारोबार कर रहा था। इसमें 0.60 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली है। क्षेत्रवार, मध्यम आकार की वित्तीय सेवाएं और आईटी सूचकांक हावी रहे तथा इनमें क्रमशः 1.05 प्रतिशत और 1 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। एशियाई बाजारों में जापान, शंघाई, हांगकांग और दक्षिण कोरिया के सूचकांक में तेजी रही। इस बीच, अमेरिकी बाजारों में, शुक्रवार को डौ जोंस 1.05 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ, जबकि एसएंडपी और नैस्डैक 1 प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ बंद हुए। आधिकारिक एक्सचेंज डेटा के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को भारतीय इक्विटी में 1,009.71 करोड़ रुपये डाले। वैश्विक तेल बेंचमार्क, ब्रेंट क्रूड 0.11 प्रतिशत गिरकर 66.40 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। शुक्रवार को आरबीआई द्वारा जारी मौद्रिक उपाय निकट भविष्य में बाजार का उत्साह बनाए रखेंगे। लेकिन शुक्रवार को शुरू हुई तेजी को बनाए रखने के लिए यह पर्याप्त नहीं है। आय वृद्धि का रुझान अधिक महत्वपूर्ण है। चौथी तिमाही के नतीजे मिडकैप के लिए बेहतर आय वृद्धि का संकेत देते हैं। लेकिन लार्ज और स्मॉल कैप संघर्ष करना जारी रखते हैं।

चीन के निर्यात ने फिर पकड़ी रफ्तार, अमेरिका के साथ व्यापार में आई कमी, सीमा शुल्क के आंकड़ों में दावा

बीजिंग। चीन के निर्यात में मई माह में तेजी आई है। वहीं चीन का अमेरिका को निर्यात 10 प्रतिशत कम हुआ है। सोमवार को सीमा शुल्क के आंकड़े जारी किए गए, जिनमें बताया गया कि का निर्यात मई महीने में पिछले साल की तुलना में 4.8 प्रतिशत ज्यादा हुआ। आंकड़ों के अनुसार, चीन के आयात में साल–दर–साल 3.4 प्रतिशत की कमी आई है, जिसके कारण चीन का व्यापार अधिशेष 103.2 अरब डॉलर हो गया है। मई में चीन का अमेरिका को निर्यात 28.8 अरब डॉलर रहा। वहीं चीन का अमेरिका से आयात 7.4 प्रतिशत गिरकर 10.8 अरब डॉलर रहा।

ब्रिटेन में होनी है चीन–अमेरिका के बीच बैठक

अप्रैल में चीन के वैश्विक निर्यात में 8.1 प्रतिशत की तेजी के बाद मई में व्यापार धीमा हो गया। अमेरिका–चीन वार्ता का अगला दौर सोमवार को ब्रिटेन में होने वाला है। इस वार्ता में चीन की तरफ से उप–प्रधानमंत्री ही लेइफेंग शामिल होंगे। वहीं अमेरिका की तरफ से अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट, वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक और व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीयर बैठक में शामिल होंगे। बीते हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के नेता शी जिनपिंग के बीच फोन पर बात हुई थी, जिसे अमेरिकी राष्ट्रपति ने अच्छी बातचीत बताया था।

फरवरी में शुरू हुई थी टैरिफ वॉर

बीते महीने ही विश्व की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं अमेरिका और चीन ने आयात कर कम करने के लिए एक अस्थायी संघर्ष विराम पर सहमति व्यक्त की थी, लेकिन तब से ही दोनों देश एक–दूसरे पर समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगा रहे हैं। फरवरी में ट्रंप ने चीन से आने वाले सामान पर टैरिफ लगाने का एलान किया था। इसके जवाब में चीन ने भी अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ बढ़ा दिया। हालांकि मई में ट्रंप ने इस पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी थी।

राहतः एचडीएफसी और बैंक ऑफ बड़ौदा सहित आधा दर्जन बैंकों के कर्ज हुए सस्ते, बाकी भी इसी हफ्ते घटा सकते हैं दर

आरबीआई की ओर से रेपो दर में 0.50 फीसदी की कटौती के तीसरे दिन तक आधा दर्जन बैंकों ने कर्ज को सस्ता कर दिया है। इनमें निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक से लेकर बैंक ऑफ बड़ौदा सहित कई बैंक शामिल हैं। ऐसे में इन बैंकों से कर्ज लेने वाले ग्राहकों को भारी राहत मिलेगी।

बाकी बैंक भी इसी हफ्ते घटा सकते हैं दर

दरअसल, आरबीआई ने रेपो दर में शुक्रवार को 0.50 फीसदी कटौती की घोषणा की थी। इसके बाद बैंकों के पास केवल शनिवार ही मिला है। रविवार को बैंक बंद रहे। ऐसे में अधिकतर बैंक इस हफ्ते अपने कर्ज को सस्ता करने की घोषणा कर सकते हैं। इसमें सबसे बड़े बैंक एसबीआई, आईसीआईसीआई, यूनियन बैंक, एक्सिस और कोटक महिंद्रा बैंक आदि शामिल हैं। होम लोन, कार लोन सहित पर्सनल लोन इन्हीं बैंकों से सबसे ज्यादा लिए जाते हैं।

सगाई के बाद जमकर थिरके रिंकू सिंह और प्रिया सरोज, समारोह में लगा दिग्गजों का जमावड़ा

लखनऊ। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह नए बंधन में बंध गए हैं। रविवार को स्टार खिलाड़ी की समाजवादी पार्टी (सपा) की सांसद प्रिया सरोज के साथ सगाई हो गई। रिंकू और प्रिया की रिंग सेरेमनी लखनऊ के एक पांच सितारा होटल में हुई जिसमें राजीनित जगत और क्रिकेट की चर्चित हस्तियां शामिल हुईं। प्रिया उत्तर प्रदेश के मछलीशहर से लोकसभा की सदस्य हैं। इन दोनों की शादी 18 नवंबर 2025 को वाराणसी में होगी।

नामचीन हस्तियों का लगा जमावड़ा

रिंकू और प्रिया की रिंग सेरेमनी में राजनीति की चर्चित हस्तियों का जमावड़ा लगा।

इनमें सपा मुखिया अखिलेश यादव, सांसद डिंपल यादव और जया बच्चन जैसे बड़े नाम शामिल हैं। सभी ने इस नई जोड़ी को आशीर्वाद दिया और उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

बीसीसीआई के उपाध्यक्ष भी पहुंचे

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला भी इस कार्यक्रम में मौजूद रहे। इस दौरान भुवनेश्वर कुमार और पीयूष चावला भी नजर आए। सोशल मीडिया पर रिंकू और प्रिया की रिंग सेरेमनी की तस्वीरें वायरल हो रही है। रिंकू ने इस दौरान आईवरी रंग का जोधपुरी कुर्ता पायजामा पहना, जबकि प्रिया ने व्हाइट और पिंक रंग का फ्लोरल लहंगा पहना।

सगाई के बाद जमकर थिरके रिंकू और प्रिया

सगाई के बाद रिंकू सिंह और प्रिया सरोज को जमकर डांस करते देखा गया। इसके वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। रिंकू और प्रिया एक साल से अधिक समय से एक दूसरे को जानते हैं। दोनों की मुलाकात एक कॉमन दोस्त के पिता के जरिये हुई थी। हालांकि, धीरे–धीरे रिंकू और प्रिया की दोस्ती हुई जो प्यार में बदल गई। प्रिया सरोज के पिता तूफानी सरोज ने बताया था कि प्रिया की रिंकू से मुलाकात एक कॉमन दोस्त के जरिये हुई थी जिसके पिता भी एक क्रिकेटर हैं। अब दोनों एक दूसरे के जीवनसाथी बनने जा रहे हैं। प्रिया सरोज उत्तर प्रदेश के मछलीशहर से सपा की सांसद हैं। उन्होंने 2024 लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के उम्मीदवार को हराया था।

18 नवंबर को वाराणसी में होगी रिंकू और प्रिया की शादी

जौनपुर की मछलीशहर लोकसभा सीट से समाजवादी पार्टी सांसद प्रिया सरोज की रिंग सेरेमनी 8 जून को लखनऊ में हुई। उनकी शादी 18 नवंबर 2025 को वाराणसी के होटल ताज से होगी। इसमें क्रिकेट के सितारे, फिल्म जगत की हस्तियों और उद्योगपतियों का जमवाड़ा रहेगा।

शुभमन गिल के नेतृत्व में भारतीय टीम जमकर बहा रही पसीना, 20 जून से लीड्स में खेला जाएगा पहला टेस्ट

नई दिल्ली। पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम इंग्लैंड पहुंच चुकी है। रविवार को शुभमन गिल के नेतृत्व में भारतीय टीम ने जमकर पसीना बहाया। 20 जून से लीड्स में पहला टेस्ट मुकाबला खेला जाएगा। इसके लिए टीम इंडिया ने मुख्य कोच गौतम गंभीर की कोचिंग में तैयारियां शुरू कर दी हैं। जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह की तेज गेंदबाजी चौकड़ी के अलावा नवनियुक्त कप्तान शुभमन गिल, ऋषभ पंत और ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने मुख्य कोच गौतम गंभीर के मार्गदर्शन में अभ्यास किया। रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गजों के संन्यास लेने के बाद गिल को भारत का 37वां टेस्ट कप्तान बनाया गया। वह एक अपेक्षाकृत युवा टीम की अगुआई कर रहे हैं जिसका लक्ष्य 2007 के बाद से इंग्लैंड में अपनी पहली टेस्ट सीरीज जीतना है। सीरीज हेडिंग्ले में शुरू होगी जिसके बाद एजबेस्टन, लॉर्ड्स, ओल्ड ट्रैफर्ड और ओवल में टेस्ट मैच खेले जाएंगे। भारतीय टेस्ट टीम में शामिल कुछ खिलाड़ी अभी भारत ए की तरफ से नॉर्थैम्पटन में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरे अनधिकृत टेस्ट मैच में खेल रहे हैं। खेल विज्ञान के क्षेत्र में सर्वाधिक सम्मानित हस्तियों में से एक एड्रियन ले रॉक्स आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग कोच के रूप में जुड़े हैं। उन्हें सोहम देसाई की जगह शामिल किया गया है। इस सीरीज के साथ ही भारतीय टीम विश्व टेस्ट चौंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के नए चक्र की शुरुआत करेगी। भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ शुभमन गिल की कप्तानी में खेलने उतरेगी। गिल को रोहित शर्मा की जगह टेस्ट टीम का कप्तान बनाया गया है।

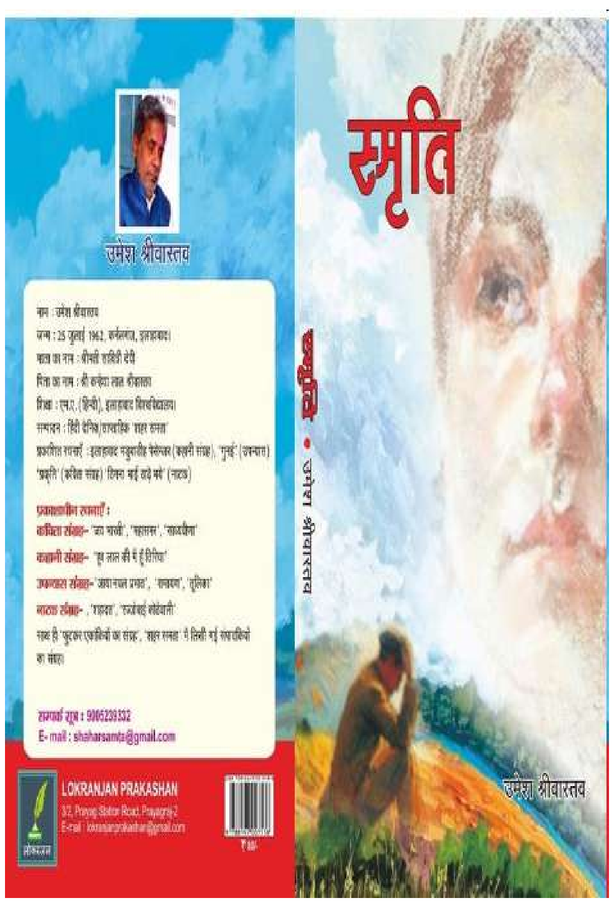

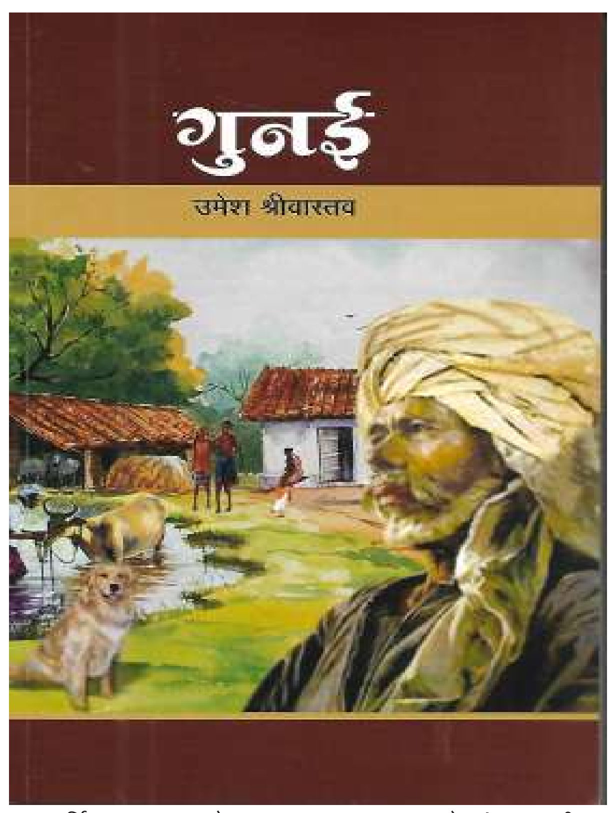

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

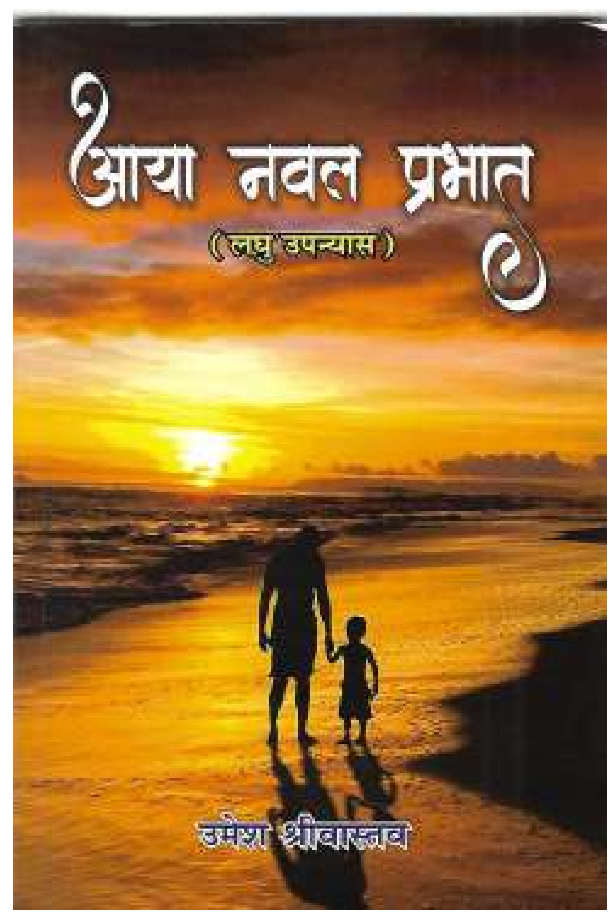

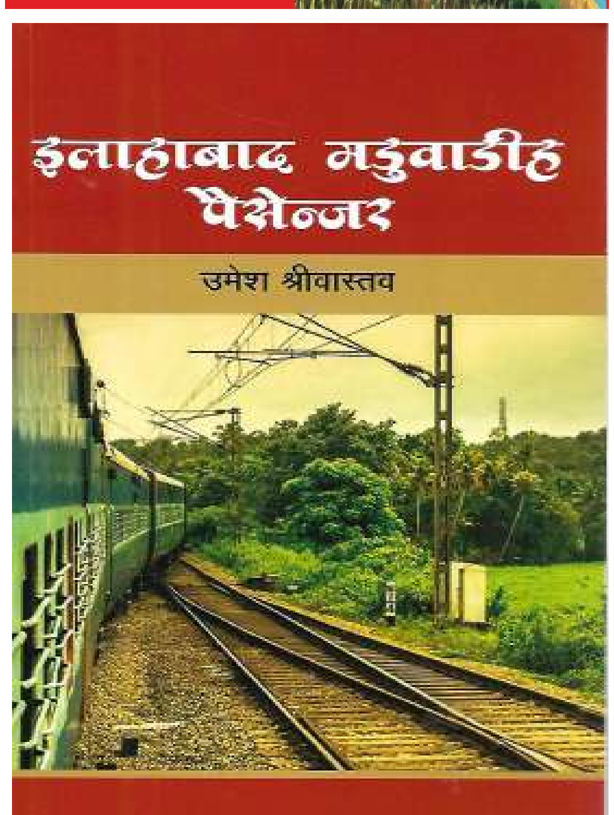

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

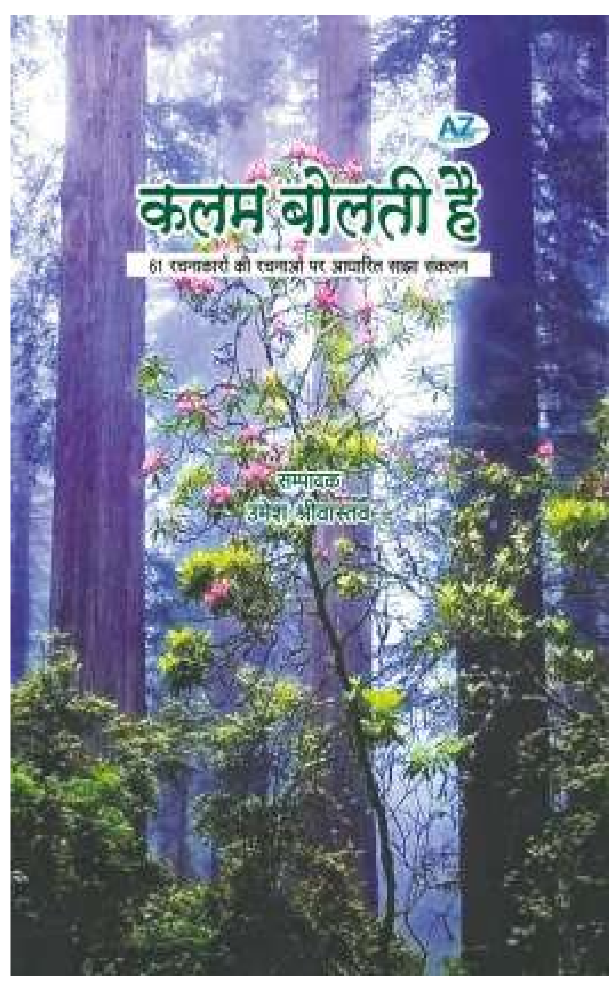

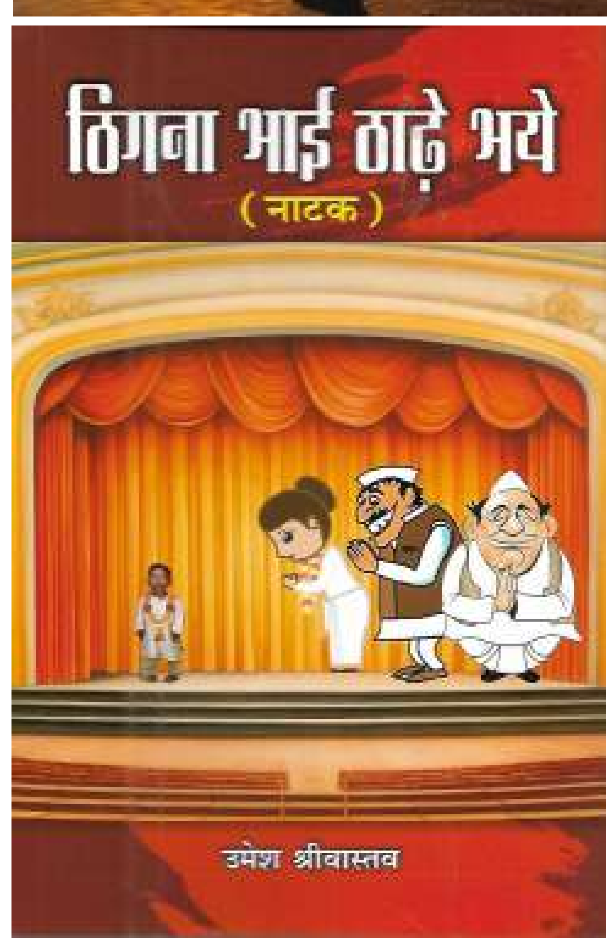

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

मास्क पहने लोगों को गिरफ्तार करो...अमेरिका में अब ट्रंप ने ये कौन सा आदेश दे दिया ?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कानून प्रवर्तन अधिकारियों को मास्क पहने हुए प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार करने का आदेश दिया है, क्योंकि आव्रजन दमन के खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शनों के बीच लॉस एंजिल्स में रविवार को तनाव बढ़ गया। ट्रम्प ने विरोध प्रदर्शनों में मास्क के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया, साथ ही लॉस एंजिल्स में दो दिनों की हिंसा और अशांति के बाद प्रभावी प्रतिक्रिया के लिए नेशनल गार्ड, जो आमतौर पर राज्य के गवर्नरों के अधीन एक आरक्षित सैन्य बल होता है, की सराहना की। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने सोशल ट्रुथ प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में कहा कि चेहरे पर मास्क पहने लोगों को तुरंत गिरफ़्तार करें। इससे पहले, ट्रम्प ने घोषणा की थी कि अब से, विरोध प्रदर्शनों में मास्क पहनने की अनुमति नहीं दी जाएगी। हालांकि यह अनिश्चित है कि संघीय सरकार के पास इस तरह के निर्देश को लागू करने का कानूनी अधिकार है या नहीं। प्रदर्शनकारी सुरक्षा बलों से अपनी पहचान छिपाने और आतिशबाजी और पुलिस के हथियारों से होने वाले धुएं से खुद को बचाने के लिए मास्क पहन रहे हैं। लॉस एंजिल्स में रविवार को तनाव बढ़ गया, क्योंकि हजारों प्रदर्शनकारियों ने ट्रम्प द्वारा नेशनल गार्ड की असाधारण तैनाती के जवाब में सड़कों पर उतर आए, एक प्रमुख फ्रीवे को अवरुद्ध कर दिया और स्व–चालित कारों को आग लगा दी, जबकि कानून प्रवर्तन ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस, रबर की गोलियां और फ्लैश बैंग का इस्तेमाल किया। शाम होते ही कई प्रदर्शनकारी तितर–बितर हो गए और पुलिस ने एक गैरकानूनी सभा की घोषणा की, जो अधिकारियों के आने और उन लोगों को गिरफ्तार करने का अग्रदूत था जो नहीं छोड़ते। बचे हुए लोगों में से कुछ ने एक अस्थायी अवरोध के पीछे से पुलिस पर वस्तुएं फेंकी, जो एक सड़क की चौड़ाई में फैली हुई थी और अन्य ने कैलिफोर्निया हाईवे पेट्रोल अधिकारियों और बंद दक्षिण की ओर 101 फ्रीवे पर पार्क किए गए उनके वाहनों पर कंक्रीट के टुकड़े, पत्थर, इलेक्ट्रिक स्कूटर और आतिशबाजी फेंकी।

संक्षिप्त

बेलाजियो फाउंटेन्स के पास गोलीबारी, दो की मौत

अमेरिका के सबसे चर्चित पर्यटक स्थल लास वेगास में बेलाजियो फाउंटेन के पास हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत के बाद एक बड़ी तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। स्थानीय समयानुसार रात करीब 10:40 बजे (यूके समयानुसार सुबह 06:40 बजे) अधिकारी गोलीबारी की जगह पर पहुंचे, जहां उन्होंने दो लोगों को गोली लगने के घाव के साथ फर्श पर पड़े हुए पाया, लास वेगास के अंडर–शेरिफ एंड्रयू वॉल्श ने कहा। पहले प्रतिक्रिया देने वालों के प्रयासों के बावजूद दोनों पीड़ितों की मौत हो गई। पुलिस का मानना है कि उन्हें पता है कि संदिग्ध कौन है और उनका मानना है कि वह पीड़ितों में से एक के साथ ऑनलाइन संघर्ष में शामिल था। अंडर–शेरिफ वॉल्श ने कहा कि उनका मानना है कि यह एक अलग घटना है, यह जानते हुए कि संदिग्ध और पीड़ित पहले भी कई तरह के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग करके किसी तरह के संघर्ष में शामिल रहे हैं। सोशल मीडिया पर प्रसारित फुटेज में एक बंदूकधारी को बेलाजियो फाउंटेन के सामने गोलियां चलाते हुए दिखाया गया है। वीडियो में सात गोलियां चलाई जाती हैं, जबकि दर्शक चीखते हैं और इलाके से भागने लगते हैं, जबकि अन्य लोग खुद को गोलियों से बचाने के लिए फर्श पर गिर जाते हैं। फुटेज के अंत में एक बच्चे के रोने की आवाज़ आने से पहले एक व्यक्ति चिल्लाता है क्या माजक कर रहे हो? लास वेगास मेट्रोपॉलिटन पुलिस विभाग ने कहा कि लास वेगास बुलेवार्ड पर गोलीबारी किसी कैसीनो के अंदर नहीं हुई, और लोगों को उस क्षेत्र से दूर रहने की चेतावनी दी। इसने एक्स पर एक बयान पोस्ट कियाः हम एस. लास वेगास बुलेवार्ड के 3600 ब्लॉक में हुई गोलीबारी पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। गोलीबारी किसी कैसीनो के अंदर नहीं हुई। कृपया उस क्षेत्र से बचें।

प्लेन की सीढ़ियों पर लड़खड़ाकर गिरे ट्रंप, लोग बोले– इलाज कराओ

विमान की सीढ़ियों को चड़ते वक्त डोनाल्ड ट्रंप असहज महसूस कर रहे थे। तब तक वो बिल्कुल ठीक थे, जब तक वो विमान की सीढ़ियों को चढ़ रहे थे। लेकिन जैसे ही वो धीरे धीरे एक एक कदम आगे बढ़ा रहे थे। तभी अचानक वो लड़खड़ा गए और चेहरे पर असहजता साफ दिखाई पड़ रही थी। विमान पर चढ़ते वक्त जब ट्रंप के कदम लड़खड़ाए तो इसका वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल होने लगी। सोशल मीडिया यूजर्स डोनाल्ड ट्रंप को बाइडेन 2.0 बोलने में

बिल्कुल भी नहीं कतराए। लगातार ये वीडियो शेयर की जा रही है और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तुलना पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन से हो रही है। ट्रंप के इस वीडियो को लेकर लोग तरह तरह की बातें बना रहे हैं। ये घटना तब हुई जब ट्रंप और विदेश मंत्री मार्को रूबियो कैंप डे के लिए एयरफोर्स वन में सवार होने जा रहे थे। एयरफोर्स वन पर चढ़ते वक्त ही ट्रंप का पैर लड़खड़ा गया था। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने चुनाव प्रचार के दौरा अक्सर पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के सार्वजनिक रूप से लड़खड़ाने का मजाक उड़ाया था। हालांकि इस बार सोशल मीडिया पर कई लोग ट्रंप का ही मजाक बना रहे हैं। ट्रंप ने एक मौका तक नहीं छोड़ा था जब जो बाइडेन से जुड़ी हुई एक भी वीडियो सामने आ रही थी। जिसमें वो लड़कड़ाते, गिरते या फिर परेशान होते, असहज होते दिखाई दे रहे थे। 2023 की गर्मियों में ट्रम्प ने कोलोराडो में वायु सेना के स्नातक समारोह में गिरने के लिए बिडेन का मज़ाक उड़ाया। उन्होंने कहा कि स्नातकों के लिए तत्कालीन राष्ट्रपति को सैंडबैग पर गिरते देखना प्रेरणादायक नहीं था। उस समय आयोवा में एक अभियान कार्यक्रम के दौरान ट्रम्प ने कहा था कि मुझे उम्मीद है कि उन्हें चोट नहीं लगी होगी। मुझे उम्मीद है कि उन्हें चोट नहीं लगी होगी...आप ऐसा नहीं चाहते हैं। अपने भाषण के दौरान, उन्होंने उस समय को याद किया जब बिडेन 2020 में सेना के वेस्ट पॉइंट स्नातक समारोह में रैंप से नीचे उतरे थे। पूरी बात पागलपन भरी है, आपको इसके बारे में सावधान रहना होगा, आप ऐसा नहीं चाहते हैं, भले ही आपको रैंप से नीचे उतरना पड़े, उन्होंने उस समय कहा। उन्होंने कहा कि रैंप एक आइस–स्केटिंग रिंक की तरह था।

एक–दूसरे को सैनिकों के शव सौंपने पर रूस को यूक्रेन की आधिकारिक पुष्टि का इंतजार : अधिकारी

रूस के अधिकारियों ने रविवार को कहा कि युद्ध में मारे गए 6,000 सैनिकों के शवों को योजनाबद्ध तरीके से एक–दूसरे को सौंपे जाने के लिए मॉस्को अब भी कीव से आधिकारिक पुष्टि का इंतजार कर रहा है। इसके साथ ही रूस ने अपने उस आरोप को दोहराया कि यूक्रेन ने इस प्रक्रिया को स्थगित कर दिया है। युद्ध के मोर्चे के बारे में रूस ने कहा कि वह यूक्रेन के दि्नप्रोपेट्रोव्स्क क्षेत्र में आगे बढ़ गया है। रूस की सरकारी मीडिया ने रूसी वार्ताकार समूह के प्रतिनिधि लेफ्टिनेंट जनरल अलेक्जेंडर जोरिन के हवाले से कहा कि रूस ने सीमा पर विनिमय स्थल पर यूक्रेनी सशस्त्र बलों के सैनिकों के 1,212 शवों को पहुंचा दिया है और यूक्रेनी अधिकारियों से पुष्टि की प्रतीक्षा कर रहा है। जोरिन ने कहा कि ऐसे 'संकेत' मिले हैं कि शवों को सौंपने की प्रक्रिया अगले सप्ताह तक स्थगित कर दी जाएगी।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

अमेरिका में बिगड़े हालात, सेना ने संभाला मोर्चा, ट्रंप बोले– दंगाइयों को कुचल देंगे

अमेरिका का दूसरा सबसे बड़ा शहर लॉस एजेंलिस सड़कों पर उमड़ी भीड़ का उग्र प्रदर्शन, हाथ में मैक्सिकन झंडे, जबरदस्त तोड़फोड़ और आत्मस्वाह होती पुलिस की गाड़ियां। तस्वीरें बता रही हैं कि हालात गृह युद्ध जैसे हैं। लॉस एजेंलिस के डिटेंशन सेंटर के बाहर प्रदर्शनकारियों ने ट्रंप सरकार के खिलाफ धावा बोला। उसके बाद पिछले दो दिनों में हालात बद से बदतर ही हुए हैं। अब सेना और प्रदर्शनकारी आमने सामने हो चुके हैं। प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले छोड़े गए हैं। लोग गिरफ्तारी की नीतियों का विरोध कर रहे हैं। कई प्रदर्शनकारियों के हाथ में मैक्सिकन झंडे तक दिखाई पड़े। पुलिस और सेना के सामने ही प्रदर्शनकारी गाड़ियों को फूंक रहे हैं।

ट्रंप ने कहा– दंगाइयों को कुचल दूंगा

ट्रंप ने सोशल साइट श्ट्रूथ सोशलश पर पोस्ट कर नैशनल गार्ड को बेहतरीन काम के लिए बधाई दी और कहा कि दंगाइयों को हम कुचल देंगे। ट्रंप ने अपने पोस्ट में मेयर कैरेन बैस और गवर्नर न्यूसम पर तंज कसते हुए कहा कि वे हालात नहीं संभाल पा रहे, ठीक वैसे ही जैसे जनवरी में लगी जानलेवा आग के दौरान हुआ था। नैशनल गार्ड को आमतौर पर स्थानीय प्रशासन को विश्वास में लेकर बेहद कठिन समय में बुलाया जाता है। गवर्नर न्यूसम ने ट्रंप के फैसले का विरोध करते हुए कहा कि यह कदम जानबूझकर माहौल को और तनावपूर्ण बनाने वाला है।

क्या है पूरा मामला

लॉस एंजिलिस में 6–7 जून को सरकार ने अवैध अप्रवासियों के खिलाफ एक अभियान चलाया गया था, प्रदर्शनकारी इसी का विरोध कर रहे थे। अधिकारियों के मुताविक, हर दिन करीब 1600 अवैध अप्रवासियों को पकड़ा जा रहा है। होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट ने दावा किया कि एक हजार प्रदर्शनकारियों ने सरकारी विल्डिंग को घेरकर ICE अधिकारियों पर हमला किया। हालात वेकाबू होने लगे तो ट्रंप ने नैशनल गाड्र्स को भेजने का आदेश दिया। ट्रंप ने कैलिफॉर्निया की स्टेट मिलिट्री का फेडरल कंट्रोल अपने हाथ में ले लिया, ताकि सैनिकों को देश के दूसरे सबसे बड़े शहर में भेजा जा सके। इस कदम को गवर्नर गेवन न्यूसम ने जानबूझकर भड़काने वाला बताया और अमेरिकी मीडिया के मुताविक, इस तरह की कार्रवाई दशकों से नहीं हुई थी। होमलैंड सिक्योरिटी विभाग ने कहा कि इस हफ्ते लॉस एंजिलिस में ICE की कार्वाई में 118 प्रवासियों को पकड़ा गया है, जिनमें 5 गैंग मेंवर भी शामिल हैं।

इजराइल ने सुरंग से बरामद की अपने सबसे बड़े दुश्मन की लाश, जिंदा दफन हुआ था हमास का खूंखार कमांडर

इजराइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने पुष्टि की कि वरिष्ठ हमास नेता मोहम्मद सिनवार का शव गाजा के खान यूनिस में यूरोपीय अस्पताल के नीचे एक सुरंग में मिला है। 13 मई को इजरायली हवाई हमले में उनकी मौत हो गई थी। मोहम्मद सिनवार

इजराइल पर 7 अक्टूबर को हुए हमले के पीछे के मास्टरमाइंड याह्या सिनवार का छोटा भाई था। याह्या को आठ महीने पहले आईडीएफ सैनिकों ने गोली मार दी थी। दोनों भाई खान यूनिस इलाके में पैदा हुए और मारे गए। मोहम्मद सिनवार को किसी वक्त में इजरायली खुफिया एजेंसियों ने अपनी पकड़ से बचने की क्षमता के कारण "द शैडो" जैसा उपनाम दिया था। उसने 2011 के उस सौदे में हिस्सा लिया था जिसमें इजरायली सैनिक गिलाद शालिट के बदले में याह्या सिनवार को रिहा किया गया था। वह छिपने के लिए अपने पिता के अंतिम संस्कार में भी शामिल नहीं हुआ, लेकिन शिन बेट ने आखिरकार उसकी हरकतों पर नज़र रखी और उसे निशाना बनाया। आईडीएफ और शिन बेट के एक संयुक्त बयान में पुष्टि की गई कि सिनवार और राफा ब्रिगेड कमांडर मोहम्मद शबानेह अस्पताल के नीचे एक भूमिगत कमांड सेंटर में मारे गए। खुफिया सामग्री और अन्य शवों के साथ–साथ उनसे संबंधित सामान भी बरामद किए गए। आईडीएफ द्वारा जारी फुटेज में अस्पताल के नीचे एक सुरंग से एक शव को घसीटते हुए दिखाया गया है। रक्षा मंत्री इज़राइल कैट्ज़ ने ऑपरेशन की प्रशंसा की, सिनवार को कट्टर हत्यारा कहा और शेष हमास नेताओं को चेतावनी दी कि वे अगले हैं। उन्होंने विशेष रूप से गाजा स्थित कमांडर अज़ अल–दीन अल–हद्दाद और कतर स्थित नेता खलील अल–हय्या का नाम लिया। 13 मई के हमले में हमास कमांडर मुहम्मद शबाना और वरिष्ठ नेता महदी कुवार भी मारे गए। हमास के 7 अक्टूबर के हमले में कम से कम 1,180 लोग मारे गए और 252 बंधक बनाए गए। गाजा में अभी भी 55 बंधकों में से 32 के मारे जाने की आशंका है।

हसीना की भतीजी के यूनुस से मुलाकात के अनुरोध पर बांग्लादेश की सफाई, कहा– हमें कोई पत्र नहीं मिला

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की भतीजी और ब्रिटेन की पूर्व मंत्री ट्यूलिप सिद्दीकी की अंतरिम सलाहकार मोहम्मद युनूस से मुलाकात के अनुरोध पर उनके कार्यालय ने सफाई दी है। मोहम्मद यूनुस के कार्यालय के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने कहा कि हमें अभी तक कोई पत्र नहीं मिला है। प्रेस सचिव ने कहा कि हम पांच जून से ईद–उल–अजहा की छुट्टी पर हैं। हम सोमवार को शाम 7रू30 बजे यूनाइटेड किंगडम के लिए रवाना होंगे। चूंकि हमें अभी तक पत्र नहीं मिला है, इसलिए इस मामले पर कुछ नहीं कह सकते। यूनुस 10–13 जून तक ब्रिटेन की अपनी चार दिवसीय यात्रा के दौरान किंग चार्ल्स और डाउनिंग स्ट्रीट में कीर स्टार्मर से मिलेंगे।

मुझे अंतरिम सलाहकार से बात करनी है

ब्रिटिश सांसद ट्यूलिप सिद्दीकी ने चार जून को पत्र लिखकर अपने खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों पर

गलतफहमी को दूर करने के लिए लंदन में यूनुस के साथ बैठक करने की मांग की है। सिद्दीकी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि बैठक से ढाका में भ्रष्टाचार विरोधी समिति द्वारा फैलाई गई गलतफहमी दूर करने में मदद मिलेगी कि मुझे अपनी मौसी और बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बारे में जवाब देने हैं।

मेरा बांग्लादेश में कोई हित नहीं

मैं ब्रिटेन की नागरिक हूं लंदन में जन्मी हूं और पिछले एक दशक से संसद में हैम्पस्टेड और हाईगेट के लोगों का प्रतिनिधित्व कर रही हूं। बांग्लादेश में मेरी कोई संपत्ति या कोई व्यावसायिक हित नहीं है। सिद्दीकी ने कहा कि मैंने एसीसी से इस बारे में स्पष्टीकरण मांगा है, लेकिन उन्होंने लंदन में मेरे वकीलों से बात करने से इनकार कर दिया है और जाहिर तौर पर ढाका में गलत पते पर पत्राचार किया जा रहा है।

राजनीति से प्रेरित हैं आरोप

वहीं बांग्लादेश की भ्रष्टाचार विरोधी समिति (एसीसी) ने दावा किया कि हसीना की भतीजी सिद्दीकी या उनकी मां ने सत्ता और प्रभाव का दुरुपयोग करके 7,200 वर्ग फुट का भूखंड प्राप्त किया। जबकि सिद्दीकी ने आरोपों से इनकार किया है। उन्होंने आरोपों को राजनीति से प्रेरित और निराधार बताया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि किसी भी आरोप के संबंध में अधिकारियों ने उनसे संपर्क नहीं किया।

चीन ने विवादित दक्षिण चीन सागर के लिए सुनामी परामर्श केंद्र शुरू किया

चीन ने रविवार को दक्षिण चीन सागर सुनामी परामर्श केंद्र शुरू किया तथा गहरे समुद्र में मौलिक वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी नवाचार और संबंधित उद्योगों के विकास को समर्थन देने के लिए एक गहन समुद्री परीक्षण स्थल भी स्थापित किया। दोनों की शुरुआत आठ जून को मनाए जाने वाले विश्व महासागर

दिवस के अवसर पर हुयी। चीन दक्षिण चीन सागर के अधिकांश हिस्से पर अपना दावा करता है। फिलीपींस, वियतनाम, मलेशिया, ब्रुनेई और ताइवान के साथ चीन एक जटिल समुद्री विवाद में फंसा हुआ है और वह व्यस्त क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्गों वाले क्षेत्र पर दावे करता रहा है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, दक्षिण चीन के हैनान प्रांत के सान्या में स्थित सुनामी केंद्र ने अपना परिचालन क्षेत्र के देशों को समुद्री आपदा की पूर्व चेतावनी सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू किया है।

नेपालः दूरसंचार प्रमुख समेत 18 लोगों के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला दर्ज

नेपाल के भ्रष्टाचार निरोधक निकाय ने रविवार को सरकारी स्वामित्व वाली नेपाल टेलीकॉम के पूर्व और वर्तमान प्रबंध निदेशकों सहित 18 लोगों के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया। सीआईएए के प्रवक्ता राजेंद्र कुमार पौडेल के अनुसार, नेपाल टेलीकॉम की बिलिंग प्रणाली के रखरखाव के लिए अनुबंध विस्तार में कथित अनियमितताओं को लेकर कमीशन फॉर द इन्वेस्टिगेशन ऑफ एब्यूज ऑफ अथारिटी (सीआईएए) द्वारा विशेष अदालत में मामला दायर किया गया था। नेपाल टेलीकॉम की प्रबंध निदेशक (एमडी) संगीता पहाड़ी और पूर्व एमडी सुनील पौडेल उन 18 लोगों में शामिल हैं जिनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

राहत सहायता स्थल के पास इजराइली गोलीबारी में 12 लोग मारे गएः फलस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारी

गाजा पट्टी में इजराइल और अमेरिका समर्थित समूह द्वारा संचालित राहत सहायता वितरण केंद्र से लगभग एक किलोमीटर दूर इजराइली गोलीबारी में कम से कम 12 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गये।

फलस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों और प्रत्यक्षदर्शियों ने यह जानकारी दी। इजराइली सेना ने कहा कि उसने अपने सैनिकों के नजदीक आने वाले लोगों पर चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाईं। गाजा के अस्पताल के अधिकारियों के अनुसार, पिछले दो हफ्तों में नए केंद्रों के पास बार–बार गोलीबारी हुई है, जहां हजारों फलस्तीनी कृ जो 20 महीनों के युद्ध के बाद बेहद हताश हैं कृ भोजन इकट्ठा करने के लिए भेजे जा रहे हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि पास के इजराइली सैनिकों ने गोलीबारी की है और 80 से ज्यादा लोग मारे गए हैं।

क्षेत्र के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि पिछले 48 घंटों में गाजा

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।